RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक:21 ता. 17 जुलाई 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

संघ प्रमुख डॉ. भागवत 'अथातो बिंब जिज्ञासा' पुस्तक का 20 जुलाई को करेंगे विमोचन

मुंबई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मंदिर वास्तु रचना तथा मूर्ति शास्त्र के शोधकर्ता डॉ. गो. बं. देगलूरकर की पुस्तक 'अथातो बिंब जिज्ञासा' का 20 जुलाई को सुबह दस बजे विमोचन करेंगे। यह जानकारी स्नेहल प्रकाशन के निदेशक रवींद्र घाटपांडे ने दी। उन्होंने बताया कि अथातो बिंब जिज्ञासा नामक अनुवादित पुस्तक में महाराष्ट्र की अद्वितीय मूर्तियों की जानकारी है। मूल पुस्तक डॉ. देगलूरकर ने अंग्रेजी में लिखी है जबकि आशुतोष बापट ने उसका मराठी अनुवाद किया है। इस मराठी पुस्तक का विमोचन समारोह 20 जुलाई को पुणे के कोथरूड स्थित बाल शिक्षण मंदिर प्रशाला एम.ई.एस. ऑडिटोरियम में सुबह 10 बजे शुरू होगा।

अमेरिका में बनी एम-4 कार्बाइन असॉल्ट राइफलों का इस्तेमाल कर रहे आंतकी

-चीन में बनी बुलेट्स और अल्ट्रा सेट भी चिंता का कारण

नई दिल्ली। हाल ही में जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकी हमले में अमेरिकी राइफलों के इस्तेमाल की बात सामने आई है। पिछले कुछ वर्षों से आतंकवादी अमेरिका निर्मित एम-4 कार्बाइन असॉल्ट राइफलों का इस्तेमाल करते मिले हैं। इसके बाद सेना ने चिंता जाहिर की हैं कि आतंकियों से पार पाना बेहद मुश्किल होगा। खास बात यह है कि अमेरिका में बनीं इन घातक राइफलों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ हो रहा है। वहीं, कई आतंकी हमलों में चीन में बनी बुलेट्स का भी इस्तेमाल हुआ है।

चीन के बने अल्ट्रा सेट भी जब्त हुए थे

इसके पहले जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ों में ज्यादा एडवांस चीनी टेलीकम्यूनिकेशन इक्विपमेंट 'अल्ट्रा सेट' जब्त किया गया है। दरअसल, पाकिस्तानी सेना द्वारा इस्तेमाल होने वाला यह उपकरण आतंकवादी समूहों के हाथों में पहुंच गया है। इससे नियंत्रण रेखा के पार से होने वाली घुसपैठ और शहरों और गांवों के बाहरी इलाकों में आतंकवादियों के संभावित रूप से रहने की चिंता भी पैदा हो गई है। इन संदेशों को हैंडसेट से पाकिस्तान स्थित मास्टर सर्वर तक चीनी सैटेलाइट का इस्तेमाल किया जाता है, संदेशों को बाइट्स में छोटा करके भेजा जाता है। डिफेंस जानकार जेएस सोढ़ी बताते हैं कि पाकिस्तान ने पंजाब में आतंकवाद का समर्थन किया था। जम्मू-कश्मीर में पिछले 35 साल से वह आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। बीते 5 साल में एक बार ही यानी 24 जून, 2021 को सभी राजनीतिक दलों ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को लेकर व्यापक चर्चा की थी। वहीं, सीमा विवाद को लेकर चीन के साथ इसी दौरान 21 बार बातचीत हुई।

रक्षा मंत्रालय ने देश में ही बनाये जाने वाले रक्षा उत्पादों की पांचवीं सूची जारी की

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढावा देने तथा आयात पर निर्भरता को लगातार कम करने के सिलसिले को जारी रखते हुए भविष्य में देश में ही बनाये जाने वाले 346 रक्षा उत्पादों की पांचवीं सूची मंगलवार को यहां अधिसूचित कर दी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इनमें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट, सिस्टम,सब-सिस्टम, असेंबली, सब-असेंबली, कलपुर्जे और उपकरण तथा कच्चे माल शामिल हैं, जिनका आयात मूल्य 1,048 करोड़ रुपये है। भविष्य में इन उत्पादों की खरीद केवल देश से ही की जायेगी। रक्षा मंत्रालय इससे पहले भी 4666 रक्षा उत्पादों के स्वदेशीकरण की चार सूची जारी कर चुका है जिनमें से 3,400 करोड़ रुपये मूल्य के आयात वाले 2,972 उत्पाद पहले ही देश में बनाये जा रहे हैं। इन सूचियों में अत्यधिक जटिल प्रणालियाँ, सेंसर, हथियार और गोला-बारूद शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने घरेलू विक्रेताओं को 7,572 करोड़ रुपये का ऑर्डर दिया है। इन उत्पादों का विनिर्माण सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों तथा लघु और सूक्ष्म इकाईयों में किया जायेगा। इससे अर्थव्यवस्था में विकास को गति मिलेगी, रक्षा क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। इसके अलावा, इससे शिक्षा जगत और अनुसंधान संस्थानों की भागीदारी के कारण घरेलू रक्षा उद्योग की डिजाइन क्षमताओं में वृद्धि होगी। रक्षा मंत्रालय ने इसके लिए 2020 में सृजन पोर्टल की शुरूआत की थी इस पोर्टल पर सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सेवा मुख्यालय स्वदेशीकरण के लिए एमएसएमई और स्टार्ट-अप सहित उद्योगों को रक्षा उत्पादों की पेशकश करते हैं।

पाकिस्तान कश्मीर में नहीं हुआ कामयाब....जम्मू में बढ़ा रहा आंतकी गतिविधि : पूर्व डीजीपी

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी कुलदीप हुड्डा ने जम्मू में बढ़ती आतंकी घटनाओं को लेकर प्रतिक्रिया दी है। पूर्व डीजीपी हुड्डा ने कहा, पाकिस्तान का मिशन साफ है। वह अब जम्मू में गतिविधियों को बढ़ाना चाहता है, क्योंकि पाकिस्तान कश्मीर में कामयाब नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ऑल आउट के तहत कश्मीर में पाकिस्तान का सफाया हुआ और इसलिए अब वैसी जगह ढूंढ रहे हैं, जहां पर सुरक्षाबलों की कमी है। आमतौर पर जिन क्षेत्रों में शांति रही है, अब उन जगहों पर आतंकी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, जिससे सेना का ध्यान जम्मू में बढ़ रही आतंकी घटनाओं की ओर जाए, जिससे वे कश्मीर में फिर आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे सके। पूर्व डीजीपी हुड्डा ने कहा कि बीते कुछ समय में घुसपैठ की घटनाएं बढ़ी हैं, इसलिए घुसपैठ को रोकने के लिए प्रयास किया जाए, चाहे तकनीकी या ह्यूमन सप्लीमेंट की जरूरत है, ऐसी सभी चीजों की मदद ली जाए। पाकिस्तान को डील करने के तरीकों में बदलाव लाने की जरूरत है, क्योंकि वह पिछली घटनाओं से सबक लेने के बाद भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है।

कावेरी जल विवाद पर कर्नाटक और तमिलनाडु आमने-सामने

मुख्यमंत्री स्टालिन ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

चेन्नई ।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु को कावेरी जल की कम मात्रा जारी करने पर कर्नाटक सरकार का रुख अत्यधिक निंदनीय है। सीएम स्टालिन ने कावेरी जल विवाद पर सर्वदलीय बैठक की। स्टालिन ने सर्वदलीय बैठक में तमिलनाडु को कावेरी का पानी देने से इंकार करने पर कर्नाटक सरकार की कड़ी निंदा की। हम सीडब्ल्यूआरसी से आग्रह करते हैं कि वह कर्नाटक सरकार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश और सीडब्ल्यूएमए के आदेश के मुताबिक कावेरी का पानी छोड़ने का आदेश दे। 15 जुलाई, 2024 तक, कर्नाटक के चार मुख्य बांधों में कुल भंडारण 75.586 टीएमसी फीट है, तमिलनाडु के मेट्टूर जलाशय में जल स्तर मात्र 13.808 टीएमसी फीट है। किसानों ने कर्नाटक सरकार से तमिलनाडु के लिए कावेरी जल छोड़ने की मांग को लेकर त्रिची, थिल्लई नगर में कर्नाटक बैंक के सामने विरोध प्रदर्शन किया। कावेरी के पानी के कारण 20 वर्षों से अधिक समय से मुकदमेबाजी जारी है।

यह एक राजनीतिक मुद्दा है जिस पर 150 वर्षों से अधिक समय से बहस चल रही है।

कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच कावेरी जल विवाद पर बढ़ते तनाव के बीच, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आपसी समझ की आवश्यकता पर जोर देकर बातचीत और सहयोग के लिए खुलापन व्यक्त किया है। डीके ने जल आवंटन पर कहा, तमिलनाडु को मिलने का पूरा अधिकार है, जैसे हम मिलते हैं। हम उनकी बैठक पर आपत्ति नहीं करते हैं। यह उनका कर्तव्य है। इस बीच, बीजेपी नेता सीटी रवि ने कहा कि राज्य तभी पानी छोड़ सकता है, जब उसके पास होगा। उन्होंने कहा, सीडब्ल्यूआरसी (कावेरी जल विनियमन समिति) आमतौर पर

अपना फैसला अगस्त में देती है, लेकिन इस साल जुलाई में दिया गया। पिछले साल सूखा पड़ा था और इस साल भी हमें 30 फीसदी बारिश की कमी के साथ ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। हम पानी तभी छोड़ सकते हैं जब हमारे पास पानी होगा। यह बारिश पर निर्भर करता है। अगर बारिश अच्छी होती है, तब हम तमिलनाडु की मांग से ज्यादा पानी छोड़ सकते हैं।

डोडा में आतंकवादियों से मुठभेड़ में सैन्य अधिकारी समेत चार जवान शहीद

जम्मू।

जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में सेना का एक अधिकारी समेत चार जवान शहीद हो गए। यह मुठभेड़ सोमवार शाम जम्मू संभाग के डोडा कोटी गांव के शिया धार चौंढ माता वन क्षेत्र में शुरू हुई थे। सेना के अधिकारी की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार मुठभेड़ में एक सैन्य अधिकारी समेत पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। घायलों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें से एक अधिकारी समेत चार जवानों ने दम तोड़ दिया। सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर रखी है। घटनास्थल पर अतिरिक्त सुरक्षाबलों को भेजा गया। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने कल रात सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया, ÷विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर सेना और पुलिस की ओर से डोडा के उत्तर क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान जारी किया था। रात लगभग नौ बजे आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी की गयी, सेना की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की गयी और मुठभेड़ शुरू हो गयी।

उन्होंने कहा कि अतिरिक्त सैनिकों को इलाके में भेजा गया है। जम्मू कश्मीर उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया एक्स पर जारी शोक संदेश में कहा, 'डोडा जिले में हमारी सेना के जवानों और जम्मू कश्मीर पुलिस कर्मियों पर हुए कायरतापूर्ण हमले के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है। हमारे राष्ट्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि। शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ।'गौरतलब है कि 24 घंटे पहले उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षा बलों ने तीन आतंकियों को ढेर किया था। मारे गए तीनों आतंकियों के पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद हुए हैं।

राजनाथ ने चार सैनिकों के शहीद होने पर दुख व्यक्त किया

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में सोमवार रात आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में चार सैनिकों के शहीद होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। श्री सिंह ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'डोडा में आतंकवाद रोधी अभियान के दौरान सेना के चार बहादुर सैनिकों के मारे जाने पर बहुत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। कर्तव्य की वेदी पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले इन सैनिकों के परिवारों के साथ राष्ट्र मजबूती के साथ खड़ा है। आतंकवाद रोधी अभियान जारी है और हमारे सैनिक आतंकवाद का सफाया कर क्षेत्र में शांति और व्यवस्था कायम करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हैं।'मुठभेड़ में सेना के एक अधिकारी सहित चार सैनिक शहीद हुए हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री ने सुबह सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र त्रिवेदी से बात कर आतंकवाद रोधी अभियान के बारे में जानकारी ली थी।

अब फिलिस्तीन की मदद को आगे आया भारत, 2.5 मिलियन डॉलर की भेजी पहली किस्त

नई दिल्ली। गाजा में महीनों से हमास और इजराइल के बीच युद्ध जारी है जिसमें हजारों बेगुनाह फिलिस्तीनियों की जान जा चुकी है और लाखों बेघर हो गए हैं जो शिविरों में अपनी जिंदगी गुजारने पर मजबूर हैं। इजराइली हमलों के चलते उन तक मदद पहुंचा भी मुश्किल हो रही है। इसी बीच अब फिलिस्तीनी शरणार्थियों की मदद के लिए भारत ने संयुक्त राष्ट्र एजेंसी को 2.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पहली किस्त जारी कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार ने 2024-25 के लिए पांच मिलियन अमेरिकी डॉलर के अपने वार्षिक योगदान के हिस्से के रूप में फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी को 2.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पहली किस्त भेज दी है। भारत ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी जिसने 1950 से फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए प्रत्यक्ष राहत के कार्यक्रम चलाए हैं। गाजा में इजरायल-हमास युद्ध के बीच अपने कामकाज को बनाए रखने के प्रयास कर रहा है।पिछले कुछ सालों में फिलिस्तीनी शरणार्थियों और उनके कल्याण का समर्थन करने के अपने प्रयास में भारत ने शिक्षा, स्वास्थ्य, राहत और सामाजिक सेवाओं सहित संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के मुख्य कार्यक्रमों और सेवाओं के लिए 2023-24 तक 35 मिलियन अमरीकी डॉलर की वित्तीय सहायता फिलिस्तीनी शरणार्थियों को प्रदान की है। हाल ही में न्यूयॉर्क में आयोजित यूएनआरडब्ल्यूए सम्मेलन में भारत ने कहा था कि वित्तीय मदद के अलावा वह एजेंसी के विशिष्ट अनुरोध के आधार पर यूएनआरडब्ल्यूए को दवाएं भी देगा और फिलिस्तीन के लोगों को एक सुरक्षित वक्त पर निरंतर मानवीय मदद की आपूर्ति के लिए अपने वादे को निभाएगा।

डोडा हमले पर बोले राहुल-देश और जवानों के गुनहगार आतंकियों पर कड़ी कार्रवाई करे सरकार

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में हुए आतंकी हमले को लेकर सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि पूरा देश एकजुटता से खड़ा है, लेकिन सरकार से हम मांग करते हैं कि आतंकवादियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा-आज जम्मू कश्मीर में फिर से एक आतंकी मुठभेड़ में हमारे जवान शहीद हो गए। शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार को गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। उन्होंने आगे लिखा-एक के बाद एक ऐसी आतंकी घटनाएं बेहद दुखद और चिंताजनक है। ये आतंकी हमले जम्मू कश्मीर की जर्जर स्थिति बयान कर रहे हैं। बीजेपी सरकार की गलत नीतियों का खामियाजा हमारे जवान और उनके परिवार भुगत रहे हैं। हर देशभक्त भारतीय की यह मांग है कि केंद्र सरकार बार-बार हो रही सुरक्षा चूकों की पूरी जवाबदेही लेकर देश और जवानों के गुनहगारों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे। दुख की इस घड़ी में पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता के साथ खड़ा है।

चुनाव खत्म तो रिश्ता हजम, यही हुआ इंडी गठबंधन के साथः पूनावाला

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी ने विपक्षी गठबंधन के नेताओं की तरफ से एक-दूसरे के खिलाफ लगातार की जा रही बयानबाजी पर कटाक्ष करते हुए मंगलवार को कहा कि फायदे वाली दोस्ती अब खत्म हो रही है और इनका हर राज्य में तलाक हो रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, चुनाव खत्म तो रिश्ता हजम, यही हुआ है इंडी गठबंधन के साथ दिल्ली में। उन्होंने कहा कि जिस गठबंधन में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी एक साथ आए थे, उस गठबंधन में अब दिल्ली में भी पंजाब की तरह ऐसा तलाक हो गया है कि एक-दूसरे के खिलाफ बयान देने से बाज नहीं आ रहे। पहले कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि आम आदमी पार्टी की वजह से हार गए। फिर अभिषेक दत्त ने कहा कि केजरीवाल के भ्रष्टाचार की वजह से हार गए और अब रागिनी नायक ने आप सांसद राघव चड्ढा पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया है, जिसे बाद में हटा दिया गया। पूनावाला ने कांग्रेस-आप के गठबंधन को फायदे की दोस्ती बताते हुए कहा कि इनके गठबंधन में कोई मिशन नहीं बल्कि कमीशन है और सिर्फ मोदी के खिलाफ आना ही इनका लक्ष्य था।

ईवीएम पर शक करने वाले प्रत्याशियों से मॉक पोल कराएगा चुनाव आयोग

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल में आदेश दिया था कि जो भी प्रत्याशी दूसरे और तीसरे नंबर पर आते हैं उन्हें विधानसभा या लोकसभा क्षेत्र की 5 फीसदी मशीनों की मेमोरी या माइक्रोकंट्रोलर को वेरिफाइ करने का अधिकार है। इसके बाद 1 जून को चुनाव आयोग ने एसओपी जारी की और कहा कि परिणाम के सात दिनों के अंदर ही वेरिफिकेशन के लिए आवेदन करना होगा। साथ ही एक ईवीएम के हिसाब से 40 हजार रुपये का भुगतान करना होगा। लोकसभा चुनाव के बाद चुनाव आयोग के पास ईवीएम वेरिफिकेशन के कुल आठ आवेदन आए हैं। आयोग ईवीएम वेरिफिकेशन में मॉक पोल को भी शामिल करेगा जिसमें प्रत्याशी या उनका कोई प्रतिनिधि 1400 वोट डालेगा। इसके बाद देखा जाएगा कि ईवीएम सही काम कर रही है या नहीं। अभी तक बर्न्ट मेमोरी वेरिफिकेशन की टेक्निकल एसओपी फाइनल नहीं हो पाई है। रिपोर्ट के मुताबिक इस सप्ताह इसे जारी किया जा सका है। वहीं सूत्रों का कहना है कि चुनाव आयोग मॉक पोल की योजना बना रहा है। इससे

ईवीएम की प्रामाणिकता की जांच हो जाएगी। ईवीएम पर वोट डालने के बाद वीवीपैट भी गिने जाएंगे। मॉक पोल के दौरान प्रत्याशी खुद या फिर कोई प्रतिनिधि वोट डाल सकता है। इसके बाद अगर प्रत्याशी चाहता है तो कंट्रोल यूनिट, बैलट यूनिट और वीवीपैट को जैसे चाहे अरेंज करवाकर देख सकता है। बता दें कि कंट्रोल यूनिट का बटन दबाए बिना कोई भी वोटर वोट नहीं डाल सकता है। वहीं बैलट यूनिट में प्रत्याशियों के नाम होते हैं। वीवीपैट एक स्लिप प्रिंट करता है जिसमें जिस पार्टी को वोट दिया गया होता है, उसका निशान होता है। फिलहाल सबसे पहले बीयू को वीवीपैट से जोड़ा जाता है और वीवीपैट का कनेक्शन सीयू से किया जाता है।

अमेरिका में राष्ट्रपति कोई भी बने उपराष्ट्रपति का होगा भारत से जुड़ाव

ट्रम्प की पार्टी ने जेडी वैंस तो बाइडन ने कमला हैरिस को बनाया उम्मीदवार

नई दिल्ली।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। पेंसिल्वेनिया में जानलेवा हमले के बाद डोनाल्ड ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी के कन्वेंशन में पहुंचे। यहां उन्हें रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना गया। इसके साथ ट्रंप ने ओहायो के सीनेटर जेडी वैंस को पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुना, लेकिन इस चुनाव में दोनों पार्टियों की ओर से एक बड़ा भारतीय कनेक्शन सामने आया है। रिपब्लिकन पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वैंस की पत्नी उषा चिलुकुरी भारतीय मूल की है। वह सैन फ्रांसिस्को में वरिष्ठ वकील है। उषा के माता-पिता आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के पमारू गांव के रहने वाले हैं। उषा हिंदू हैं जबकि उनके पति वैंस ईसाई हैं।

उषा का जन्म कैलिफोर्निया में हुआ था, लेकिन उनके माता-पिता मूलरूप से आंध्र प्रदेश के रहने वाले थे, जो बाद में अमेरिका शिफ्ट हो गए। उषा ने येल यूनिवर्सिटी से हिस्ट्री की पढ़ाई की और बाद में कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से मॉर्डन हिस्ट्री में मास्टर्स की डिग्री ली है। उषा और वैंस ने 2014 में शादी की थी। दोनों के तीन बच्चे हैं। जेडी ने उषा को बेहतरीन पार्टनर बताया है। फिलहाल वह अपने पति वैंस के चुनाव प्रचार में पूरी तरह से व्यस्त है।

वहीं, देश की मौजूदा उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से इस पद की उम्मीदवार कमला हैरिस है। कमला एक बार फिर इस रेस में हैं। वह भी भारतीय मूल की हैं। हैरिस अमेरिका की पहली महिला उपराष्ट्रपति हैं। हैरिस उपराष्ट्रपति बनने वाली पहली अश्वेत महिला भी हैं उनकी जड़ें भारत और जमैका दोनों जगहों से जुड़ी हैं। उनकी मां भारत से अमेरिका गई थीं, जबकि उनके पिता जमैका के रहने वाले हैं। तमिलनाडु के तिरुवरुवर के गांव थुलासेंद्रापुरम में कमला हैरिस की मां श्यामला गोपालन रहती थीं. श्यामला गोपालन 19 साल की उम्र में भारत से अमेरिका चली गई थीं। हैरिस सीनेट के तीन एशियाई अमेरिकी सदस्यों में से एक हैं। ओबामा के कार्यकाल में वह फीमेल ओबामा के नाम से लोकप्रिय थीं। 2003 में वह सेन फ्रांसिस्को की शीर्ष अभियोजक बनीं। 2010 में कैलिफोर्निया की अटॉर्नी बनने वाली पहली महिला और पहली अश्वेत थीं। 2016 में वह दूसरी अश्वेत महिला के तौर पर यूएस सीनेटर चुनी गईं। टाइम मैग्जीन ने कमला

हैरिस को 2020 के लिए पर्सन ऑफ द ईयर घोषित किया था।

मीलॉर्ड ! ट्रायल की गति धीमी है, मैं 16 महीनों से जेल में बंद हूं

सभी नेताओं ने माना ब्रांड मोदी का जलवा कायम

नई दिल्ली ।

लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा की उम्मीदों से पारे रहे। उसके बाद से ही पार्टी में मंथन का दौर जारी है। इस लेकर उत्तर प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों में अब तक मीटिंग्स हो चुकी हैं। इन बैठकों में कुछ दिलचस्प सवाल भी उठे हैं कि आखिर भाजपा को चुनाव में इसतरह के नतीजे क्यों देखने पड़े। बैठकों में राज्य के नेताओं के अलावा केंद्रीय स्तर से भी नेताओं को पर्यवेक्षक के तौर पर भेजा जा रहा है। यूपी में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा खुद मौजूद थे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इन समीक्षा बैठकों में 7 बातें प्रमुखता से कही जा रही हैं। बैठक में एक बात सभी ने कही कि विपक्ष की ओर से संविधान बदलने और उसके आधार पर आरक्षण खत्म करने की अफवाह फैलाई गई। इसका असर यूपी, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में दिखाई दिया, जहां ओबीसी और दलित वर्ग की अच्छी खासी आबादी है। इसके अलावा महाराष्ट्र में भी ऐसी ही चर्चा हुई। वहां सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि इन अफवाहों के चलते नतीजे खराब हुए हैं। सीएम शिंदे ने माना कि एनडीए विपक्ष की ओर से फैलाई गई इन अफवाहों की काट नहीं कर सका। लेकिन भाजपा की मीटिंग्स में कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में विदेशी ताकतों का दखल था। राजस्थान में हुई समीक्षा बैठक में सवाल उठा था। वहां केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और विनय सहस्त्रबुद्धे की मौजूदगी में हुई मीटिंग में कहा गया कि इन चुनावों में विदेशी हाथ था। विदेशी ताकतें चाहती हैं कि भारत से मोदी के शासन को खत्म कर दिया जाए। बता दें कि यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी ऐसा ही संकेत दिया।

सभी समीक्षा बैठकों में एकसुर से कहा गया कि कांग्रेस के 99 तक पहुंचने की वजह गठबंधन है। यूपी, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में गठबंधन का फायदा मिला है और सरकार के खिलाफ जाने वाला वोट जब एकजुट हुआ.....भाजपा को नुकसान हुआ और कांग्रेस फायदा ले गई।

क्या इन चुनाव नतीजों ने ब्रांड मोदी पर सवाल खड़े किए हैं? भाजपा में सभी नेता एकजुटता के साथ पीएम नरेंद्र मोदी का जलवा कायम रहने की बात कर रहे हैं। इन नेताओं का कहना है कि पार्टी ने आत्मविश्वास, आपसी कलह की वजह से नुकसान उठाया है, लेकिन पीएम मोदी का जलवा जनता के बीच पहले की तरह कायम है। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम के पद से इस्तीफा तक देने को कह दिया था और खराब नतीजों की जिम्मदारी भी ली थी।

अतिआत्मविश्वास के चलते हार की बात भाजपा में लगातार कही जा रही है। योगी ने कहा कि हम लोग अतिआत्मविश्वास में आ गए। इसका नतीजा है कि चुनाव नतीजों के बाद अब जो विपक्ष कहीं कोने में बैठा था, वह अब उछल रहा है। वहीं भाजपा में आपसी कलह की बातें खूब कही जा रही हैं। पिछले दिनों संगठन महामंत्री बीएल संतोष भी आए थे। तब कई नेताओं ने कहा कि आपसी कलह के चलते तमाम सीटें गंवा दीं। मुजफ्फरगर जैसी हाईप्रोफाइल सीट की खूब चर्चा हो रही है। कहा जा रहा है कि यहां संगीत सोम और संजीव बालियान के बीच आपसी कलह के चलते नतीजा खिलाफ आया है।

पाकिस्तान की गोद में बैठा हिजबुल मुजाहिद्दीन का आतंकी, कश्मीर पर उगल रहा जहर

नई दिल्ली।

हिजबुल मुजाहिदीन का मकसद कश्मीर में एक इस्लामी राज्य बनाना है और जम्मू-कश्मीर का पाकिस्तान में विलय करना है। इस आतंकी संगठन ने कश्मीर में खूब खून-खराबे किए हैं। 1990 के दशक में कई आतंकी हमलों और नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की हत्याओं, बम विस्फोटों और राजनीतिक नेताओं की हत्याओं को अंजाम दे चुका है। इसके लिए आए दिन आतंकी कायराना हरकते करते रहते हैं। कश्मीरियों को भड़काते हैं उन्हे लालच देते हैं और अपनी आतंक की दुकान चलाने के लिए तरह तरह के हथकंडे अपनाते हैं। हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकवादी संगठनों के आतंकियों का यह इंटरव्यू दिखाता है कि कैसे पाकिस्तान चिकनी-चुपड़ी बातें करता है, मगर पीठ पीछे वह आतंकवाद को बढ़ावा देता है। पाकिस्तान या फिर उसके कब्जे वाले कश्मीर में बैठकर हिजबुल के कमांडर शमशीर खान ने एक डिजिटल चैनल को जेके बोल को अपना इंटरव्यू दिया है। इस इंटरव्यू में हिजबुल कमांडर शमशीर खान कश्मीर पर जहर उगल रहा है। अभी जगह कन्फर्म नहीं है। वह कहता है कि हिजबुल मुजाहिद्दीन का मकसद भारतीय सेना का डटकर मुकाबला करना है और उन्हें चैन से नहीं बैठने देना है। शमशीर खान ने उस बात का भी जिक्र किया कि कैसे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादी बुरहान वानी को हीरो बताया था। बता दें कि हिजबुल मुजाहिद्दीन एक आतंकी संगठन है। इसे भारत समेत दुनिया के कई देश आतंकवादी संगठन घोषित कर चुके हैं। हिजबुल मुजाहिद्दीन के डिप्टी सुप्रीम कमांडर शमशीर खान का यह इंटरव्यू ऐसे वक्त में आया है, जब जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले तेज हो गए हैं। हाल ही में आतंकियों ने कठुआ में हमला किया था, जिसमें भारतीय सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे। इससे पहले माता वैष्णो देवी मंदिर जा रही एक बस पर आतंकियों ने हमला कर दिया था। उस आतंकी हमले में नौ लोगों की मौत हो गई थी और 41 घायल हो गए थे।

महाकुंभ से पहले तैयार हो जाएगा गंगा एक्सप्रेस-वे तेजी से चल रहा काम

-594 किमी लंबे इस एक्सप्रेस-वे से पश्चिमी और पूर्वी यूपी की दूरी होगी कम

नई दिल्ली।

उत्तरप्रदेश में गंगा एक्सप्रेस-वे किसी प्रदेश में बनने वाला अब तक का दूसरा सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे है। इस एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य तेजी से जारी है और इसी साल के अंत तक इसके पूरा होने की संभावना है। इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की दिशा में यह एक्सप्रेस-वे मील का पत्थर साबित होगा। महाकुंभ-2025 से पहले दिसंबर 2024 तक इसका निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। सीएम योगी ने पहले ही इस एक्सप्रेस-वे का काम महाकुंभ-2025 से पहले करने का संकल्प लिया था। मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने वाली इस 594 किमी लंबे एक्सप्रेस-वे से पश्चिमी और पूर्वी यूपी के बीच की दूरी कम हो जाएगी।

यह एक्सप्रेस-वे उत्तरप्रदेश के 12 जिलों और 518 गांवों से होकर निकलेगा। इसका निर्माण 36,230 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। इसको शुरुआत में सिक्सलेन का बनाया जा रहा है लेकिन इसे आगे चलकर इसे आठ लेन का किया जाएगा।

इस एक्सप्रेस-वे का निर्माण चार कंपनी कर रही है। मेरठ से बदायूं का निर्माण मेसर्स आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर, बदायूं से हरदोई, हरदोई से उन्नाव और उन्नाव से प्रयागराज का निर्माण मेसर्स अडाणी इन्फ्रास्ट्रक्चर द्वारा किया जा रहा है। अब तक करीब 82 फीसदी से ज्यादा काम हो चुका है।

इस एक्सप्रेस-वे पर शाहजहांपुर के जलालाबाद के पास एक हवाई पट्टी भी होगी। इस हवाई पट्टी की लंबाई साढ़े तीन किलोमीटर है। इसका मकसद आपात स्थिति में बड़े बोइंग विमान को उतारने की है। इस एक्सप्रेस-वे पर दो मुख्य जबकि अन्य स्थानों पर 15 रैम्प टोल प्लाजा बनाए जाएंगे।

आबकारी नीति मामला: सुप्रीम कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिकाओं पर सीबीआई और ईडी से मांगा जवाब

पटना।

बिहार के पटना जिले में बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर ओवरब्रिज के नज़दीक आज तड़के तेज रफ़्तार स्कॉर्पियो के सड़क किनारे खड़े हाइवा से टकराने से छह लोगों की मौत हो गई तथा पांच अन्य घायल हो गए। बाढ़ (दो) के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) अभिषेक सिंह ने मंगलवार को बताया कि नवादा से बख्तियारपुर की ओर आ रही स्कॉर्पियो राष्ट्रीय राजमार्ग-31 के किनारे खड़े हाइवा से टकरा गई। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में स्कॉर्पियो पर सवार कुल 11 लोगों में चार की मौके पर ही मौत हो गई। श्री सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही मौक़े पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल सात लोगों को बख्तियारपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई।

चिकित्सकों ने घायलों को बेहतर इलाज की लिए पटना चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल (पीएमसीएच) रेफर किया, जहां एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई।

एसडीपीओ ने बताया कि अन्य पांच घायलों का इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि घटना के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। स्कॉर्पियो के चालक को नींद आ गई या अन्य कारण से दुर्घटना हुई इसका पता लगाया जा रहा। आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। मृतकों की पहचान की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक नवादा जिले के हिसुआ से एक स्कॉर्पियो आ रही थी। इस पर 11 लोग सवार थे। सभी बाढ़ के उमानाथ घाट गंगा स्नान करने जा रहे थे। इस दौरान बख्तियारपुर फोरलेन पर सड़क के किनारे खड़ी एक हाइवा से जा टकराई।

एएसआई ने पेट्रोल पंप कर्मचारी को कार से घसीटा, मुफ्त में भराना चाहता था पेट्रोल

-वीडियो वायरल होने के बाद हुआ सस्पेंड, पुलिस ने किया गिरफ्तार

कुन्नूर।

मुफ्त में कोई चीज मिलने की बामारी लगभग सभी में होती है। किसी को इसकी आदत पड़ जाती है। गाड़ी में मुफ्त का पेट्रोल लेने का चस्का सिर्फ पुलिसवालों को नहीं है। केरल के कुन्नूर का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक गाड़ी पेट्रोल पंप कर्मचारी को कुचलने की कोशिश कर रही है। बताया जाता है कि पेट्रोल के पैसे मांगने पर पंप कर्मचारी को गाड़ी से कुचलने की कोशिशक करने वाला कन्नूर पुलिस का एएसआई है। गनीमत यह रही कि कर्मचारी कार के धक्के के बाद बोनट पर ही गिर गया।

आरोप है कि एएसआई ने कर्मचारी को धक्का मारने के बाद गाड़ी नहीं रोकी और बोनट में फंसे युवक को लेकर हाइवे पर गाड़ी दौड़ाता रहा। अब आरोपी एएसआई के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि आरोपी एएसआई को सस्पेंड कर दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक वायरल वीडियो रविवार का है। जब कन्नूर पुलिस का एएसआई के. संतोष कुमार (50) गाड़ी में पेट्रोल भरवाने पंप पर पहुंचा। वहां पेट्रोल पंप कर्मचारी अनिल ने गाड़ी में पेट्रोल भर दिया। जब पैसे मांगे तो एएसआई कार लेकर जाना लगा। पैसे को लेकर दोनों में कुछ देर बहस हुई। वीडियो में दिख रहा है कि अनिल ने गाड़ी के सामने आकर संतोष को रोकने की कोशिश की। एएसआई ने कार का इंजन चालू कर आगे बढ़ा दी, जिससे अनिल बोनट पर गिर गया। उसके हाथ में चोट लगी है। इसके बाद भी संतोष कुमार ने बोनट पर अटके अनिल को लेकर एक किलोमीटर गाड़ी चलाई। अनिल ने इसकी शिकायत पुलिस की सीसीटीवी फुटेज वायरल होने के बाद कन्नूर पुलिस ने एएसआई पर कार्रवाई की। कन्नूर शहर के पुलिस आयुक्त अजीत कुमार ने बताया कि आरोपी एएसआई के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित कई धाराएं लगाई गई हैं और उसे निलंबित कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि सोमवार को उसे गिरफ्तार भी कर लिया गया है।

गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई के लिए शिक्षकों की समुचित संख्या में भर्ती ज्यादा जरूरी : मायावती

लखनऊ ।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को राज्य सरकार को सलाह दी कि गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई के लिए डिजिटल हाजिरी से कहीं ज्यादा शिक्षकों की समुचित संख्या में भर्ती जरूरी है। बसपा प्रमुख ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में ज़रूरी बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव होने के कारण बदहाली की शिकायतें आम रही हैं, जिस पर समुचित बजटीय प्रावधान करके उन गंभीर समस्याओं का उचित हल करने के बजाय सरकार उस पर से ध्यान बंटाने के लिए केवल दिखावटी कार्य कर रही है। यह क्या उचित है? उन्होंने आरोप लगाया ''शिक्षकों की डिजिटल हाजिरी'' भी सरकार का ऐसा ही नया कदम लगता है जो जल्दबाजी में बिना पूरी तैयारी के ही थोप दिया गया है। मायावती ने इसी पोस्ट में सुझाव दिया इससे कहीं ज्यादा जरूरी है शिक्षकों की समुचित संख्या में भर्ती तथा बुनियादी सुविधाओं का विकास ताकि अच्छी, गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई सुनिश्चित हो सके। उप्र सरकार ने गत दिनों राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में तैनात शिक्षकों की उपस्थिति के लिए डिजिटल हाजिरी के निर्देश दिए थे, जिसका शिक्षकों द्वारा विरोध किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

अयोध्या में संपूर्ण मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से जारी

अयोध्या । अयोध्या में प्रभु रामलला के विराजमान होने के करीब 6 माह हो चुके हैं। प्रभु राम के विराजमान होने के बाद संपूर्ण मंदिर का निर्माण तेजी से हो रहा है। राम जन्मभूमि परिसर में अब अतिरिक्त कॉरिडोर का निर्माण हो रहा है। इस कॉरिडोर के माध्यम से राम मंदिर सप्त मंडपम और कुबेर टीला को आपस में जोड़ा जाएगा। ताकि, श्रद्धालु इन स्थानों पर आसानी से पहुंच सके। यह कॉरिडोर लगभग 700 मीटर लंबा होगा, जिसका निर्माण कार्य जल्द शुरू होने वाला है। इसके अलावा राम जन्मभूमि परिसर में राम मंदिर के अलावा अन्य मंदिरों का भी निर्माण होना है। मंदिर परिसर में ही स्थित कुबेर टीला को भी विकसित किया जा रहा है। यहां कुबेश्वर महादेव विराजमान हैं। साथ ही जटायु की भी भव्य मूर्ति स्थापित की गई है। वहीं, परिसर में सप्त मंडपम का निर्माण कार्य चल रहा है। सप्त मंडप में महर्षि अगस्त, महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, निषाद राज, माता शबरी के मंदिर बनाने का कार्य भी तेजी से हो रहा है। राम भक्त प्रभु राम के दर्शन पूजन करने के बाद इन मठ मंदिरों तक पहुंच सके। इस लेकर राम जन्मभूमि पाठ से इन स्थलों को जोड़ने के लिए कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। श्रद्धालु रामलला के दर्शन के बाद परकोटे से होकर कुबेर टीला शेषावतार मंदिर सहित सप्त मंडप मंदिर का दर्शन करते हुए यात्री सुविधा केंद्र से आसानी से बाहर निकल जाएंगे। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्रा के मुताबिक, कॉरिडोर का निर्माण जल्द पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। सप्त मंडपम के फाउंडेशन का काम पूरा हो चुका है। वहीं से अवतार मंदिर का कार्य भी लगभग 40 फ़ीसदी से ज्यादा पूरा हो गया है।

जम्मू-कश्मीर में सात माह में छह आतंकी हमले, देश जवाब चाहता है- कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में घायल चार जवानों की मौत होने के बाद मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशान साधा और कहा कि सात माह में छह आतंकी हमले सरकार के तमाम दावों को ख़ारिज करते हैं। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह भी कहा कि देश अब जवाब चाहता है। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में गंभीर रूप से घायल हुए एक अधिकारी समेत सेना के चार जवानों की मंगलवार तड़के मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह के जवानों ने सोमवार देर शाम देसा वन क्षेत्र के धारी गोटे उरबागी में संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हुई। खेड़ा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''सुबह-सुबह जम्मू-कश्मीर में एक और आतंकी हमले की बुरी खबर मिली। चार बहादुर जवान और एक अधिकारी शहीद हो गये।'' उन्होंने कहा, ''सात महीनों में छह आतंकी हमले सरकार के तमाम दावों को खारिज करते हैं। देश जवाब चाहता है। सिर्फ नारों से देश नहीं चला करते।''

पटना : हाइवा से टकराई तेज रफ्तार स्कॉर्पियो, छह की मौत, पांच घायल

पटना। बिहार के पटना जिले में बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर ओवरब्रिज के नज़दीक आज तड़के तेज रफ़्तार स्कॉर्पियो के सड़क किनारे खड़े हाइवा से टकराने से छह लोगों की मौत हो गई तथा पांच अन्य घायल हो गए। बाढ़ (दो) के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) अभिषेक सिंह ने मंगलवार को बताया कि नवादा से बख्तियारपुर की ओर आ रही स्कॉर्पियो राष्ट्रीय राजमार्ग-31 के किनारे खड़े हाइवा से टकरा गई। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में स्कॉर्पियो पर सवार कुल 11 लोगों में चार की मौके पर ही मौत हो गई। श्री सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही मौक़े पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल सात लोगों को बख्तियारपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई। चिकित्सकों ने घायलों को बेहतर इलाज की लिए पटना चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल (पीएमसीएच) रेफर किया, जहां एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। एसडीपीओ ने बताया कि अन्य पांच घायलों का इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि घटना के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। स्कॉर्पियो के चालक को नींद आ गई या अन्य कारण से दुर्घटना हुई इसका पता लगाया जा रहा। आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। मृतकों की पहचान की जा रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक नवादा जिले के हिसुआ से एक स्कॉर्पियो आ रही थी। इस पर 11 लोग सवार थे। सभी बाढ़ के उमानाथ घाट गंगा स्नान करने जा रहे थे। इस दौरान बख्तियारपुर फोरलेन पर सड़क के किनारे खड़ी एक हाइवा से जा टकराई।

दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में लगी आग, मची अफरातफरी

नई दिल्ली। दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के एक हॉस्टल में मंगलवार को आग लग गयी। आग लगने के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। वहीं घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। दिल्ली दमकल सेवा के एक अधिकारी ने बताया, ''मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के हॉस्टल में मामूली आग लगने की सूचना सुबह 10 बजकर पांच मिनट पर मिली। घटनास्थल पर दमकल की कुल सात गाड़ियों को भेजा गया।'' उन्होंने बताया कि हॉस्टल के भूतल पर आग लगी थी जहां बिजली के मीटर लगे हैं। फिलहाल किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

भाजपा की हार का निकाला सार....संविधान बदलने, आरक्षण खत्म, अतिआत्मविश्वास और विदेशी ताकतों का हाथ

सभी नेताओं ने माना ब्रांड मोदी का जलवा कायम

नई दिल्ली ।

लोकसभा चुनाव के नतीजे भाजपा की उम्मीदों से पारे रहे। उसके बाद से ही पार्टी में मंथन का दौर जारी है। इस लेकर उत्तर प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों में अब तक मीटिंग्स हो चुकी हैं। इन बैठकों में कुछ दिलचस्प सवाल भी उठे हैं कि आखिर भाजपा को चुनाव में इसतरह के नतीजे क्यों देखने पड़े। बैठकों में राज्य के नेताओं के अलावा केंद्रीय स्तर से भी नेताओं को पर्यवेक्षक के तौर पर भेजा जा रहा है। खुद मौजूद थे। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इन समीक्षा बैठकों में 7 बातें प्रमुखता से कही जा रही हैं। बैठक में एक बात सभी ने कही कि विपक्ष की ओर से संविधान बदलने और उसके आधार पर आरक्षण खत्म करने की अफवाह फैलाई गई। इसका असर यूपी, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में दिखाई दिया, जहां ओबीसी और दलित वर्ग की अच्छी खासी आबादी है। इसके अलावा महाराष्ट्र में भी ऐसी ही चर्चा हुई। वहां सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि इन अफवाहों के चलते नतीजे खराब हुए हैं। सीएम ओर से फैलाई गई इन अफवाहों की काट नहीं कर सका।

लेकिन भाजपा की मीटिंग्स में कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में विदेशी ताकतों का दखल था। राजस्थान में हुई समीक्षा बैठक में सवाल उठा था। वहां केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और विनय सहस्त्रबुद्धे की मौजूदगी में हुई मीटिंग में कहा गया कि इन चुनावों में विदेशी हाथ था।

विदेशी ताकतें चाहती हैं कि भारत से मोदी के शासन को खत्म कर दिया जाए। बता दें कि यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी बैठकों में एकसुर से कहा गया कि कांग्रेस के 99 तक पहुंचने की वजह गठबंधन है। यूपी, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में गठबंधन का फायदा मिला है और सरकार के खिलाफ जाने वाला वोट जब एकजुट हुआ.....भाजपा को नुकसान हुआ और कांग्रेस फायदा ले गई।

क्या इन चुनाव नतीजों ने ब्रांड मोदी पर सवाल खड़े किए हैं? भाजपा में सभी नेता एकजुटता के साथ पीएम नरेंद्र मोदी का जलवा कायम रहने की बात कर रहे हैं। इन नेताओं का कहना है कि पार्टी ने आत्मविश्वास, आपसी कलह की पीएम मोदी का जलवा जनता के बीच पहले की तरह कायम है। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम के पद से इस्तीफा तक देने को कह दिया था और खराब नतीजों की जिम्मदारी भी ली थी।

अतिआत्मविश्वास के चलते हार की बात भाजपा में लगातार कही जा रही है। योगी ने कहा कि हम लोग अतिआत्मविश्वास में आ गए। इसका नतीजा है कि चुनाव नतीजों के बाद अब जो विपक्ष कहीं कोने में बैठा था, वह अब उछल रहा है।

वहीं भाजपा में आपसी कलह

2023 में 6 लाख बच्चों को टीका नहीं लगाने वाला दुनिया का दूसरा देश बना भारत

नई दिल्ली।

भारत में 2023 में एक भी बच्चे को कोई सा टीका नहीं लगा है। ऐसा करने वाला दुनिया का दूसरा देश भारत बन गया है। यहां 16 लाख बच्चे ऐसे हैं जिन्हें कोई भी टीका नहीं लगा है। पहले नंबर पर नाइजीरिया है जहां ऐसे बच्चों की संख्या 21 लाख है। यह जानकारी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ की एक रिपोर्ट से मिली है। इस रिपोर्ट में देशों की ओर से 1 जुलाई, 2024 तक दी गई जानकारी के आधार पर साल 2023 के लिए टीकाकरण कवरेज का अनुमान विश्व बैंक के 2024 के डेवलेपमेंट इंडीकेटर्स और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या विभाग के 2024 के आंकड़ों का भी इस्तेमाल किया गया है।रिपोर्ट में बताया गया है कि बिना किसी टीके वाले बच्चों की संख्या पिछले साल के मुकाबले थोड़ी बढ़ी है। अब ऐसे बच्चों की संख्या 1 करोड़ 39 लाख से बढ़कर 1 करोड़ 45 लाख हो गई है। यह संख्या साल 2019 के मुकाबले भी 17 लाख ज़्यादा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि कुछ बच्चों को पहला टीका लगवाने के बाद तीसरा टीका नहीं लग पाता

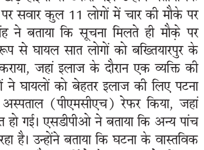

टीके वाले बच्चों की कुल संख्या 2023 में 2 करोड़ 10 लाख हो गई है जो पहले के आंकड़े से 27 लाख ज़्यादा है।भारत में बिना खसरे का टीका लगवाने वाले बच्चों की संख्या भी तीसरे नंबर पर है। ऐसे बच्चों की संख्या 16 लाख है। पहले और दूसरे नंबर पर नाइजीरिया (28 लाख) और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (20

हमले के बाद पहली बार ट्रम्प रिपब्लिकन सम्मेलन में आए नजर

मिल्वौकी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प उन पर हुए हमले में बाल-बाल बच गए थे। इस घटना के बाद ट्रम्प पहली बार रिपब्लिकन राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिनिधियों के सामने मंच पर आए। जानकारी के मुताबिक डोनाल्ड ट्रम्प के कान पर पट्टी बंधी थी। ट्रम्प सम्मेलन में मुख्य अतिथियों के बीच अग्रिम पंक्ति में सीट पर बैठे थे। बता दें कि विगत दिवस एक कार्यक्रम में भाषण के दौरान ट्रम्प पर एक युवक ने गोलियों से हमला कर दिया था जिसमें एक गोली ट्रम्प के कान को छूती हुई निकल गई थी जिसमें वह जख्मी हो गए थे बाद में उस हमलावर को सुरक्षा कर्मियों ने मार गिराया था।

गन कल्चर ने बढ़ाई चिंता : अमेरिका में खिलौने की तरह मिलती है एआर-15 राइफल

वॉशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले ने एक बार फिर अमेरिका में गन कल्चर पर चिंता बढ़ा दी है। सवाल है कि एआर-15-स्टाइल राइफल अमेरिका में सबसे लोकप्रिय बंदूकों में से एक है। हैरान करने वाली बात यह है कि अमेरिका में आए दिन गोलीबारी में इस बंदूक का ही उपयोग किया जाता है। बता दें कि यह अमेरिका में खिलौने की तरह मिलती है। एआर-15 असॉल्?ट राइफल से हमला किया गया, उसे काफी खतरनाक माना जाता है। इस हमले के बाद सीक्रेट एजेंट और ट्रंप के सुरक्षा घेरे को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। अगर किसी को एआर-15 राइफल से निकली गोली लग जाए, तो उसका बचना असंभव हो जाता है। जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका में हैंडगन प्रति वर्ष अधिक मौतों के लिए जिम्मेदार हैं, एआर-15 का अक्सर हाई-प्रोफाइल सामूहिक गोलीबारी में उपयोग किया जाता है। अमेरिका में एआर-15 खरीदना आसान है। राज्य के आधार पर, एक संभावित मालिक बंदूक की दुकान में जा सकता है और एक वैध आईडी प्रस्तुत करने के बाद, एक राइफल या शॉटगन खरीद सकता है। बशर्ते कि वे संघीय पृष्ठभूमि जांच पास कर सकें। यह प्रक्रिया खरीदार के आपराधिक इतिहास को देखती है या यह देखती है कि क्या वे कभी मानसिक संस्थान में गए हैं। लेकिन निजी बिक्री के मामले में इस सरसरी जांच को भी दरकिनार किया जा सकता है। एआर-15 एक सेमी ऑटोमेटिक हथियार है, जिसका अर्थ है कि इससे एक के बाद एक कई शॉट फायर किया जा सकता है। इसके चचेरे भाई, एम-16 का उपयोग वियतनाम के बाद से अमेरिकी सेना द्वारा किया जाता रहा है। जबकि कुछ सैन्य असॉल्ट राइफलें पूरी तरह से स्वचालित हैं, अधिकांश परिस्थितियों में नागरिकों को ऐसे हथियार रखने से प्रतिबंधित किया जाता है। एआर-15 उच्च-वेग वाली गोलियां फायर करते हैं जो हैंडगन राउंड की गति से तिगुनी गति से यात्रा करती हैं, लंबी दूरी पर सटीक होती हैं, और नरम ऊतकों और आंतरिक अंगों को व्यापक, विनाशकारी घाव देती हैं।

गाजा पर इजरायली हवाई हमले में नौ फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा । मध्य गाजा पट्टी में नुसेरात शरणार्थी शिविर को निशाना बनाकर हुए इजरायली हवाई हमले में नौ फिलिस्तीनी मारे गए है। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि इजरायली हवाई हमले में एक घर को मिसाइल से निशाना बनाया गया। हमले में घर नष्ट हो गया और पड़ोसी घरों को भी नुकसान पहुंचा। इस घटना पर इजरायली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। पिछले 48 घंटों में गाजा पट्टी में इजरायली सेना द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित हथियारों के इस्तेमाल के कारण 320 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए या घायल हुए। इस बीच हमास की सशस्त्र शाखा अल-क़स्साम ब्रिगेड ने घोषणा की कि पश्चिमी गाजा शहर के तेल अल-हवा पड़ोस में दो टैंकों में बची हुई मिसाइल के विस्फोट के कारण कुछ इजरायली सैनिक मारे गए और घायल हो गए। सोमवार को ही निकट पूर्व में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) ने कहा कि गाजा में इसका मुख्यालय युद्ध के मैदान में बदल गया है और अब ध्वस्त किया गया है। संयुक्त राष्ट्र की सुविधाओं को हर समय संरक्षित किया जाना चाहिए। इनका उपयोग कभी भी सैन्य या लड़ाई के उद्देश्यों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इजरायल ने सात अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इज़रायली सीमा के माध्यम से हमास के हमले का बदला लेने के लिए गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ़ बड़े पैमाने पर आक्रमण किया।

ओमान की मस्जिद में हमला, मुठभेड़ में 4 की मौत

मस्कट। ओमान की एक मस्जिद में आतंकी हमला हुआ है। जिससे हड़कंप मच गया। जिस समय मस्जिद में आतंकियों ने हमला किया उस समय मस्जिद में करीब 700 लोग मौजूद थे। हमले के बाद से सभी लोग जान बचाने के लिए इधर उधर भागने लगे। इस दौरान पुलिस और आतंकियों के बीच मुठभेड़ भी हुई जिसमें चार लोगों की मौत हो गई वहीं कई लोग जख्मी हो गए। जिस मस्जिद में यह आतंकी हमला गहुआ है वह मस्कटे के वाडी कबीर इलाके में स्थित है। घटना के बारे में ओमान में पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार एक मस्जिद में गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि गोलीबारी ओमानी राजधानी मस्कट के वाडी कबीर इलाके में हुई। हालांकि इस दौरान पुलिस ने यह नहीं बताया कि इस आंतकी हमले का मकसद क्या था और इसे अंजाम देने का संदेह किस पर है।

अफगानिस्तान में आई बाढ़ से 35 की मौत, 250 घायल

जलालाबाद । पूर्वी अफगानिस्तान के नंगरहार प्रांत में बारिश और अचानक आई बाढ़ में कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई और 250 अन्य घायल हो गए। एक स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक समाचार एजेंसी ने बताया कि सोमवार दोपहर को आई आपदा में जलालाबाद की प्रांतीय राजधानी, सुख रोड जिले और पाकिस्तान की सीमा से लगे प्रांत के इलाके प्रभावित हुए। अधिकारी ने कहा कि मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। सोमवार सुबह नंगरहार के पड़ोसी कुनार प्रांत में भी इसी तरह की प्राकृतिक आपदा में पांच लोगों की मौत हो गई। अफगानिस्तान में मई से अब तक भारी बारिश और बाढ़ से 400 से अधिक लोगों की मौत हो गई है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

सनकी किम जोंग ने 30 छात्रों को गोली से उड़ाया

प्योंगयान। उत्तर कोरिया इस देश का नाम आते ही लोगों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं यहां का शासक किम जोंग एक सनकी शासक है। इस बार तो उसने सनक की हद ही पार कर दी। उत्तर कोरिया की रिपोर्ट के मुताबिक किम जोंग उन की तानाशाह सरकार ने 30 नाबालिग छात्रों को सरेआम गोली से उड़ा दिया। इन छात्रों पर आरोप था कि उन्होंने साउथ कोरिया में बने सीरियल को देखा था, जिन्हें कोरियन ड्रामा या के-ड्रामा कहा जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना पिछले हफ्ते की बताई जा रही है जिसकी जानकारी अब सामने आई है।

इटली में माउंट इटेना ज्वालामुखी से उठता हुआ लावा देखते हुए एक व्यक्ति।

जयशंकर ने मॉरीशस की प्रगति की दिशा में भारत के निरंतर समर्थन की पुष्टि की

पोर्ट लुईस (मॉरीशस)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को मॉरीशस की प्रगति और समृद्धि की दिशा में भारत के निरंतर और सतत समर्थन की पुष्टि की। जयशंकर विशेष द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए मॉरीशस के नेतृत्व के साथ 'सार्थक बातचीत' के लिए दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए हैं। हिंद महासागर के इस द्वीपीय देश की यह यात्रा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल में पुन: नियुक्ति के बाद जयशंकर द्वारा की गई पहली द्विपक्षीय बैठकों में से एक है। जयशंकर ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ की उपस्थिति में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, 'मॉरीशस के साथ भारत के संबंध मजबूत और बहुआयामी साझेदारी में तब्दील हो गए हैं। मॉरीशस के साथ द्विपक्षीय संबंध विदेशों में भारत के सफल विकास सहयोग का एक आदर्श उदाहरण है।' इस कार्यक्रम में भारत द्वारा वित्तपोषित 12 उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिक्षा, संस्कृति, आव्रजन अभिलेखागार के डिजिटलीकरण तथा अंतरिक्ष एवं नवाचार के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया। जयशंकर और जगन्नाथ ने मॉरीशस में सातवीं पीढ़ी के भारतीय मूल के लोगों को ओसीआई कार्ड भी सौंपे। यह यात्रा भारत एवं मॉरीशस के संबंधों के महत्व को रेखांकित करती है और यह भारत की 'पड़ोस प्रथम की नीति', 'विजन सागर' और 'ग्लोबल साउथ' (अल्प विकसित देशों) के प्रति प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती है। मॉरीशस स्थित भारतीय उच्चायोग की वेबसाइट के अनुसार, ऐतिहासिक, जनसांख्यिकीय और सांस्कृतिक कारणों से भारत के पश्चिमी हिंद महासागर में स्थित द्वीपीय राष्ट्र मॉरीशस के साथ घनिष्ठ एवं दीर्घकालिक संबंध हैं।

रुस - यूक्रेन युद्ध के बीच भारत से क्या चाहता है अमेरिका? मोदी के मॉस्को दौरे के बाद कर दी बड़ी मांग

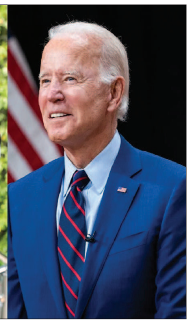

वाशिंगटन, (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका ने भारत से आह्वान किया कि वह रूस के साथ अपने दीर्घकालिक संबंधों का उपयोग करके रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन में अपने अवैध युद्ध को समाप्त करने के लिए कहे। कई अमेरिकी विभागों ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की मॉस्को की हाई-प्रोफाइल यात्रा के आलोक में भारत-रूस संबंधों पर चिंता व्यक्त की, जहां पुतिन ने उनका प्रिय मित्र के रूप में स्वागत किया। रूस के साथ भारत का पुराना रिश्ता है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक ब्रीफिंग में कहा कि मुझे लगता है कि यह सर्वविदित है। भारत को रूस के साथ उस संबंध, उस दीर्घकालिक संबंध और उनकी अद्वितीय स्थिति का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि राष्ट्रपति पुतिन से अपने अवैध युद्ध को समाप्त करने और एक न्यायसंगत शांति, एक स्थायी शांति खोजने का आग्रह किया जा सके। व्लादिमीर पुतिन को संयुक्त राष्ट्र चार्टर का सम्मान करने, यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करने के लिए कहें।

पिछले हफ्ते, व्हाइट हाउस ने भारत को रणनीतिक साझेदार कहा था और कहा था कि रूस के साथ उसके रिश्ते पुतिन को यूक्रेन में दो साल से अधिक समय से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए मना सकते हैं। इसलिए हमारा मानना ??है कि यह महत्वपूर्ण है कि जब यूक्रेन की बात आती है तो भारत सहित सभी देश स्थायी और न्यायसंगत शांति के प्रयासों का समर्थन करें। हमारे सभी सहयोगियों के लिए इसे महसूस करना महत्वपूर्ण है और इसलिए हम रूस के साथ भारत के दीर्घकालिक संबंधों पर भी विश्वास करते हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने कहा यह राष्ट्रपति पुतिन से अपने क्रूर युद्ध, यूक्रेन में एक अकारण युद्ध को समाप्त करने के लिए आग्रह करने की क्षमता देता है।

भारत-रूस संबंधों को लेकर अमेरिकी अधिकारी चिंतित

भारत और रूस के बीच संबंधों पर नए सिरे से पश्चिमी फोकस तब आया जब पीएम मोदी ने रूस में पुतिन से मुलाकात की, यह पांच साल में उनकी पहली यात्रा थी, जहां उन्होंने 22वें भारत-रूस शिखर सम्मेलन में भाग लिया। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन से कहा कि यूक्रेन संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान पर संभव नहीं है और बम, बंदूक और गोलियों के बीच शांति वार्ता सफल नहीं होती है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यूक्रेन पर मॉस्को के आक्रमण के बाद से अमेरिका और रूस के बीच संबंध सबसे निचले स्तर पर आ गए हैं।

सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा की होगी बैठक, पीएम मोदी करेंगे संबोधित

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। सितंबर माह में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की उच्च स्तरीय बैठक होगी। जारी कार्यक्रम के अनुसार, पीएम मोदी का भाषण 26 सितंबर को दोपहर के सत्र में होगा। बाद में उसी सत्र में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और नेपाल के प्रधानमंत्री का भी संबोधन तय किया गया है। महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस के कार्यालय द्वारा जारी प्रारंभिक कार्यक्रम में यह जानकारी दी गई है। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद वह पहली बार संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय का दौरा करेंगे। पिछले साल जून में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर उन्होंने संयुक्त राष्ट्र का दौरा किया था, हालांकि सितंबर की उच्च स्तरीय बैठक में वह शामिल नहीं हुए थे। महासभा की वार्षिक बैठक में विभिन्न देश अंतर्राष्ट्रीय नीतियां निर्धारित करते हैं और भाषणों में विकास पर टिप्पणी करते हैं, जिन पर बारीकी से नज़र रखी जाती है। लेकिन अधिक महत्वपूर्ण काम पर्दे के पीछे होता है जिसके तहत नेता दर्जनों द्विपक्षीय बैठकें करते हैं और विभिन्न फोरमों में शिरकत करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा संयुक्त राष्ट्र महासभा को हिंदी में संबोधित किया है। बता दें कि विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष तथा अन्य वरिष्ठ नेता इस वार्षिक बैठक के लिए संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एकत्र होते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा को पीएम मोदी पांचवीं बार वहां उपस्थित होकर संबोधित करेंगे। इसके अलावा, 2020 में कोविड महामारी के दौरान उन्होंने उच्च स्तरीय बैठक को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया था।

भारतीय मूल की उषा वैंस के पति को ट्रंप ने बनाया उपराष्ट्रपति उम्मीदवार

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनाए जाने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा ही चौंकाने वाला ऐलान किया। ट्रंप ने ओहायो के रिपब्लिकन सीनेटर जेडी वैंस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया। जेडी वैंस ट्रंप के आलोचक रहे हैं, ऐसे में उन्हें उपराष्ट्रपति बनाने का फैसला काफी चौंकाने वाला था। वैसे वैंस का भारत से गहरा नाता है। उन्होंने उषा वैंस ने शादी की हैं, जो भारतीय मूल की अमेरिकी हैं। एक लेखक, फिर रिपब्लिकन सीनेटर और अब उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वैंस की इस पूरी यात्रा में उनकी पत्नी उषा उनके साथ रहीं हैं। मिल्वौकी में रिपब्लिकन कन्वेंशन में जब ओहायो के डेलिगेट्स अपने सीनेटर का नाम लेकर नारे लगा रहा था, तो उषा वैंस अपने सीनेटर पति के बगल में खड़ी थीं और तालियां बजा रही थीं। डोनाल्ड ट्रम्प के साथी के रूप में उनके पति का नाम वॉयस वोट से तय हुआ था। ऊषा वेंस भारतीय मूल की अमेरिकी नागरिक हैं। पहले उनका नाम उषा चिलुकुरी था, जो जेडी वैंस से शादी के बाद उषा वैंस बन गई हैं। वह अब भी हिन्दू धर्म का ही पालन करती हैं, जबकि उनके पति वेंस रोमन कैथलिक हैं। भारतीय मूल की उषा चिलुकुरी, सैन डिएगो के एक उपनगर में पली-बढ़ीं। कॉलेज के बाद येल की कानून की डिग्री के बाद फिर कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से दर्शनशास्त्र में पोस्ट ग्रेजुएट किया। येल से लॉ ग्रेजुएट बनने के करीब साल भर बाद 2014 में दोनों ने शादी कर ली थी। अमेरिका के केंटकी प्रांत में दोनों ने शादी रचाई थी, जहां हिंदू पुजारी ने अनुष्ठान कराए थे। उषा और जेडी वैंस के तीन बच्चे हैं, जिनमें दो बेटों का नाम इवान और विवेक है, जबकि बेटी का नाम मिराबेल है। कुछ हफ्ते पहले तक वह बतौर वकील और ज्यूडिशयल क्लर्क के रूप में काम करती थी। वह मुंगेर टोल्स नाम की कंपनी से जुड़ी थी। हालांकि अब उन्होंने वह काम छोड़कर अपने पति के प्रचार अभियान में ही जुट गई हैं।

डोनाल्ड ट्रंप बने रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति उम्मीदवार

वॉशिंगटन(एजेंसी)। वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में पर्याप्त संख्या में डेलीगेट के वोट हासिल करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार बन गए हैं। इस तरह ट्रंप तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति का चुनाव लड़ने जा रहे हैं। ट्रंप ने 2016 में जीत हासिल की थी, वहीं 2020 में जो बाइडेन के सामने उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। नवंबर में एक बार फिर उनका मुकाबला जो बाइडेन से होगा। ट्रंप कई महीने से राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के संभावित उम्मीदवार थे। वह सोमवार को मिलवाउकी में पार्टी के सम्मेलन में शामिल प्रतिनिधियों के वोट प्राप्त करके आधिकारिक रूप से रिपब्लिकन उम्मीदवार बन गए हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने ओहायो के सीनेटर जेडी वेंस को सोमवार को उपराष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार चुन लिया।

उपराष्ट्रपति के लिए ट्रंप ने जताया बेंस पर भरोसा

ट्रंप ने एक समय अपने आलोचक रहे और बाद में करीबी सहयोगी बन गए वेंस पर भरोसा जताया है। ट्रंप ने अपने 'ट्रूथ सोशल' नेटवर्क पर एक पोस्ट में लिखा कि लंबे विचार-विमर्श करने और कई अन्य लोगों की प्रतिभाओं पर गौर करने के बाद मैंने फैसला किया है कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति पद के लिए सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार ग्रेट स्टेट ऑफ ओहायो के सीनेटर जेडी वेंस हैं। वेंस (39) 2016 में अपने संस्मरण 'हिलबिली एलेजी' के प्रकाशन के साथ खबरों में आए थे। उन्हें 2022 में सीनेट में चुना गया था।

गौरतलब है कि हाल में पेन्सिलवेनिया में रैली को संबोधित करते वक्त ट्रंप के ऊपर फायरिंग की गई थी। इस पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन पर हुए जानलेवा हमले के बाद उनकी मौत नियत कर दी गयी थी। उन्होंने इस घटना को एक विचित्र अनुभव बताया। घटना के बाद अपने पहले साक्षात्कार में 78 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति ने रूढ़िवादी अमेरिकी मीडिया को बताया कि उन्हें लगता है कि वे भाग्य या भगवान की कृपा से बच गये।

नेपाल-भारत सीमा विवाद कूटनयिक तरीके से सुलझाना ओली सरकार की प्राथमिकता : देउवा

काठमांडू। नेपाल की नवनियुक्त विदेश मंत्री डा. आरजू राणा देउवा ने भारत के साथ सीमा विवाद को कूटनयिक तरीके से सुलझाने की बात कही है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा जैसे सीमा विवाद का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए। विदेश मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद पत्रकारों को संक्षिप्त प्रतिक्रिया देते हुए डा देउवा ने कहा कि भारत के साथ सीमा समस्या को बिना किसी विवाद के कूटनीतिक तरीके से सुलझाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भारत के साथ कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा जैसे सीमा विवाद को दोनों देशों के इतिहास, भूगोल और नई तकनीक जीपीएस के माध्यम से सुलझाने का प्रयास किया जाएगा। विदेश मंत्री डा आरजू देउवा ने कहा कि पहले की तरह दोनों देशों के सीमा विवाद का पहले की तरह राजनीतिकरण नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत के साथ कूटनीतिक वार्ता के जरिए ही किसी भी विवाद को सुलझाया जाएगा। डा देउवा ने कहा कि नई तकनीक के जरिए अब जीपीएस के जरिए सीमा पर बॉर्डर पिलर रखा जाएगा ताकि भविष्य में किसी प्रकार का विवाद ना हो।

इमरान की पार्टी पर प्रतिबंध के फैसले का सरकार को सहयोगियों से भी नहीं मिल रहा समर्थन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार के जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर प्रतिबंध के विवादित फैसले से सियासी हंगामा शुरू हो गया है और कई हितधारकों ने भी इसे अलोकतांत्रिक करार दिया है। साथ ही कहा कि इस फैसले को लागू करने के दूरगामी असर होंगे।

पाकिस्तान सरकार ने सोमवार को गैर कानूनी तरीके से विदेश से चंदा लेने, दंगों में संलिप्त होने और कथित तौर पर 'राष्ट्र विरोधी' गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) नीत सरकार ने 71 वर्षीय खान और पूर्व राष्ट्रपति आरिफ अल्वी सहित अन्य पर देशद्रोह का मुकदमा चलाने की भी चेतावनी दी है। पीटीआई ने इस फैसले को 'हताशा में उठाया गया' कदम और संघीय प्रशासन में हड़बड़ाहट का संकेत बताया। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी(पीपीपी), अवामी नेशनल पार्टी, जमीयत उलेमा ए इस्लाम और जमात ए इस्लामी जैसे दलों ने भी इस फैसले की आलोचना की है।

पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी नीत पीपीपी ने इस विवादित कदम से किनारा कर लिया है। पार्टी ने कहा कि खान की पार्टी पर प्रतिबंध लगाने से पहले उससे चर्चा नहीं की गई। केंद्र में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-नीत) सरकार में सहयोगी पीपीपी की सूचना सचिव शाजिया अता मारी ने कहा कि उनकी पार्टी पीटीआई पर प्रतिबंध को लेकर सरकार से चर्चा करेगी। पीएमएल-एन के पूर्व नेता एवं अवाम पाकिस्तान नाम से अपना दल बनाने वाल शाहिद खाकान अब्बासी ने भी इस कदम पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन संविधान को समझने में असफल रहा है और बिना सोचे समझे अनुच्छेद-6 को लागू किया है क्योंकि शासक स्वयं देशद्रोह के मुकदमों का सामना कर रहे हैं।

अब्बासी ने चेतावनी दी कि इससे देश में अशांति फैलेगी और कहा कि वही गलती की जा रही है जो पीटीआई के संस्थापक इमरान खान ने की थी। उन्होंने कहा कि सरकार को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए क्योंकि उसका अपना जनादेश सवालों के घेरे में है। जमीयत उलेमा ए इस्लाम-एफ के नेता हाफीज हमदुल्लाह ने भी सरकार के इस फैसले की आलोचना की और आश्चर्य व्यक्त करते हुए सवाल किया कि क्या इस फैसले से राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता आएगी। जमीयत ए इस्लामी ने भी फैसले का विरोध किया और कहा कि यह स्पष्ट है कि यह फैसला अदालत में कानून की कसौटी पर खरा नहीं उतरेगा।

संपादकीय

धर्मस्थल और पारदर्शिता

भारत में धर्मस्थलों से जुड़े तथ्यों, रहस्यों की भरमार है और उनका यथोचित खुलासा सुखद और स्वागतयोग्य है। धर्मस्थलों से जुड़े तमाम जरूरी पहलुओं पर से परदा उठाना इसलिए भी जरूरी है, ताकि समय-समय पर बेवजह उठने वाले विवादों का पटाक्षेप हो सके। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश स्थित भोजशाला का विवाद है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने सोमवार को भोजशाला-कमाल-मौला मस्जिद परिसर की अपनी वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर पीठ को सौंप दी है। एएसआई के अधिवक्ता हिमांशु जोशी ने 2,000 पेज से अधिक की रिपोर्ट हाईकोर्ट को सौंपी है, जिस पर 22 जुलाई को सुनवाई होगी। 11वीं सदी की इस इमारत में तीन महीने से सर्वेक्षण का कार्य चल रहा था और जो तथ्य सामने आए हैं, उन पर अदालत को फैसला करना है। यह ऐसा संवेदनशील मामला है, जिस पर तमाम संबंधित पक्षों को बहुत सावधानी और समझदारी से कदम आगे बढ़ाने चाहिए। ध्यान रहे, हिंदू समुदाय इसे वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष इसे मस्जिद कहता है। लंबे समय से यह मांग हो रही थी कि इस इमारत को वैज्ञानिक ढंग से परखा जाए। वैसे, पुरातत्व विभाग की रिपोर्ट में क्या है, इसकी आधिकारिक सूचना अदालती सुनवाई में ही सामने आएगी, पर एक पक्ष का दावा है कि भोजशाला परिसर में बड़े पैमाने पर मूर्तियों के प्रमाण मिले हैं। प्रमाणों को सियासी मंचों पर नहीं, बल्कि अदालत में परखा जाना चाहिए। विभिन्न पक्षों की खींचातानी या तनाव बढ़ाने की कोशिशें सराहनीय नहीं हैं। यहां यह भी ध्यान में रखना होगा कि अदालती आदेश के अनुसार, पिछले 21 वर्षों से मंगलवार को भोजशाला में पूजा करने की अनुमति है, जबकि शुक्रवार को नमाज अदा करने की मंजूरी है। इस प्रचलित व्यवस्था में किसी भी तरह के बदलाव से असर पड़ सकता है, अतः यह फूंक-फूंककर कदम बढ़ाने का समय है। इस पूरे मामले को तथ्यों की रोशनी में देखने की जरूरत है, ताकि हिंदू-मुस्लिम विवाद बनने और बढ़ने न पाए। सभ्य संगठन, सभ्य तौर-तरीकों और लोकतांत्रिक उदारता के साथ भोजशाला विवाद को सुलझाना चाहिए। क्या ऐसी कोई भी मांग किसी धर्म के नाम पर न होकर न्याय और सच्चाई के आधार पर की जा सकती है? यहां खास तथ्य है कि 'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' की याचिका की वजह से यह सर्वेक्षण हुआ है। यह संयोग है कि भोजशाला मामले की चर्चा के साथ ही पुरी के प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर के खजाने की भी चर्चा हो रही है। इस मंदिर का खजाना 46 साल बाद खोला गया। खूब कयास लगाए जाते थे कि इस खजाने की रक्षा सांप करते हैं। सांप पकड़ने वाले विशेषज्ञों को भी तैनात किया गया था, पर एक भी सांप या कीड़ा वहीं नहीं मिला है। खजाने की पूरी सूची तो बाद में सामने आएगी, पर वर्तमान रत्न भंडार, बाहरी रत्न भंडार और आंतरिक रत्न भंडार में 150 किलोग्राम से ज्यादा सोना और 180 किलोग्राम से ज्यादा चांदी का अनुमान है। सरकार से अदालत तक हर कोई यह मानता है कि मंदिर के खजाने का विवरण स्पष्ट होना जरूरी है। एक लोकतांत्रिक देश में धर्मस्थलों से जुड़े किसी भी खजाने के बारे में आम लोगों को पूरी जानकारी होनी चाहिए। धर्मस्थलों को लेकर जितनी पारदर्शिता होगी, उनके प्रति लोगों की आस्था उतनी ही बढ़ेगी और सबसे जरूरी यह है कि खजाने का सदुपयोग हो, ताकि हमारे धर्मस्थलों की शोभा में चार चांद लग जाएं और रहस्यों व विवादों की गुंजाइश भी कम से कम बचे।

आज का राशीफल

मेष — व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ — बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क — आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह — प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक — आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु — पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर — पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ — शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

पाकिस्तान में भुट्टो का इतिहास दोहराने की तैयारी तो नहीं

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

पाकिस्तान में लोकतंत्र की दुहाई देने वालों का सदा से यह रोना रहा है कि सेना के बूटों तले लोकतांत्रिक सरकारों के कुचले जाने के बाद मुल्क में लोकतंत्र सिर्फ सांसे लेने के लायक ही बचा रहता है। दूसरी तरफ आतंकियों द्वारा नेताओं की सरेआम हत्याओं के चलते भी पाकिस्तान में लोकतंत्र सहमा नजर आता है। यदि इनमें से कुछ बच रहता है तो साजिश के तहत बनने वाली सरकारों के फैसले लोकतंत्र का गला घोंटने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। यदि ऐसा नहीं है तो फिर बतलाना होगा कि भूतपूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को अचानक किस तरह से फांसी पर लटकाया गया था। पाकिस्तान के तब क्या हालात थे और किस तरह से एक चुने हुए व्यक्ति को देश का सबसे बड़ा अपराधी ठहरा सदा के लिए खामोश कर दिया गया। इससे आगे बढ़ें तो देखें कि किस तरह से पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की सरकार को सेना प्रमुख ने अपने दम पर कब्जे में लिया और खुद राज करते नजर आए। यही नहीं जवाब तो यह भी घटना मांगती है कि आखिर भूतपूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान के लिए लोकतंत्र की सबसे बड़ी हिमायती बेनजीर भुट्टो को सरेआम हलाक कर दिया गया। घटनाएं और भी हैं जो लोकतंत्र की जड़ में मठा डालने वाली साबित होती हैं, लेकिन यहां बात हम पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से जुड़े पैंचीदा मामले की कर रहे हैं, जिसकी वजह से उनकी जान अब आफत में नजर आ रही है। वही इमरान जो पाकिस्तान के हीरो कहे जाते हैं और अपने जमाने के बेहतरीन क्रिकेटर और कप्तान होने के चलते दुनियाभर में उनके चाहने वाले और शुभचिंतक मौजूद हैं। एक वह वक्त था जबकि उनकी एक झलक पाने के लिए लोग क्रिकेट मैदान तक पहुंच जाते थे, लेकिन अब वो सियासी गलियारे के विवादित शख्स के रुप में पहचाने जा रहे हैं और मौजूदा समय में जेल में हैं। इससे पहले वो शादियां करने और तलाक के लिए भी चर्चा में रहे हैं। पारिवारिक मामलों को यदि छोड़ दिया जाए तो कह सकते हैं कि इमरान खेल के मैदान में ही नहीं बल्कि राजनीति के मैदान में भी सफलता के परचम लहरा चुके हैं और पाकिस्तान के शीर्ष प्रधानमंत्री पद को भी संभाल चुके हैं। लेकिन कहा जाता है कि कभी किसी ने अपना समय तो देख कर नहीं आया है, सो भविष्य में क्या होगा यह तो उन्हें भी नहीं मालूम था और आज जिस परेशानी ओर मुसीबत से वो गुजर रहे हैं, इसकी तो उन्हें भी भनक नहीं लगी होगी। वर्ना इसके बचाव और रास्ते बदलने के प्रयास तो उन्होंने जरुर ही किए होते।

दरअसल पाकिस्तान की मौजूदा सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सियासी पार्टी पीटीआई यानी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पर प्रतिबंध लगाने का फैसला कर लिया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार में सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने इस बात की जानकारी मुहैया करा दी है। जिसके बाद से पाकिस्तान में इमरान और उनकी पार्टी को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं आम हो चली हैं। सूचना मंत्री तरार ने 15 जुलाई के दिन कहा कि उनकी सरकार पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने जा रही है। राजनीतिक पार्टी पर प्रतिबंध लगाए जाने का कारण गिनाने की जगह उन्होंने दो-टूक कहा कि पाकिस्तान और पीटीआई एक साथ नहीं रह सकते हैं। यह सियासी पार्टी और इसकी सोच मुल्क के लिए खतरा बन गई हैं। यहां उन्होंने इल्जाम आयद करते हुए यह भी कह दिया कि इस पार्टी के लोग देशविरोधी कामों में शामिल हैं। मतलब साफ है कि पाकिस्तान की मौजूदा सरकार को अपनी ही जमात के लोग अब बर्दाश्त नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे लोगों को कोई कैसे समझा सकता है कि आखिर लोकतंत्र वो खूबसूरत व्यवस्था है, जिसमें हिंसा और खून-खराबे के बगैर ही सरकार को बदला जा सकता है। ऐसा करते हुए सिर्फ सरकार ही नहीं बदली जाती बल्कि देश की दशा और दिशा बदलने का काम भी बहुत ही शांति के साथ कर दिया जाता है। सोच बदलती है और कार्यप्रणाली में उसे लागू करते हुए अमली जामा पहना दिया जाता है। ऐसा करते हुए लोकतांत्रिक सरकारें कभी भी डर या भय का वातावरण देश में निर्मित नहीं करती हैं, बल्कि जो काम अदालतों का होता है वो उन्हें करने देती हैं और जो काम उनका होता है यानि कानून बनाने और देश की तरक्की के रास्ते खोलने सो वो ईमानदारी से करती हैं। पाकिस्तान में इस तस्वीर को उलट कर देखने की जरुरत है, क्योंकि यहां सत्ता पाना और सत्ता के रास्ते से अपने प्रतिद्वंदी को हटाना ही सब कुछ होता है। देश और आवाम की फिकर किसे होती कहना मुश्किल है। बहरहाल पाकिस्तान की शहबाज सरकार ने पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, पूर्व राष्ट्रपति आरिफ अल्वी और पूर्व उपसभापति कासिम सूरी के खिलाफ भी आर्टिकल 6 लगाने का महत्वपूर्ण ऐलान कर दिया है। यदि यह सब सही साबित हो रहा है तो यकीन जानिए कि बहुत जल्द जुल्फीकार अली भुट्टा प्रसंग लोगों को एक बार फिर याद हो आएगा क्योंकि आर्टिकल 6 के तहत मामला साबित होने पर मौत की सजा का प्रावधान भी है। जिंदगीभर चुनाव नहीं लड़ पाने का संकट कोई बड़ा संकट नहीं माना जा सकता है, क्योंकि नेता मार्गदर्शक बन पार्टी को आगे बढ़ाते हुए अपने ही लोगों के जरिए अपनी नीतियों के तहत देश चलाने में सक्षम होता है। बात सिर्फ इतनी सी है कि जननेता को सच्चा समाजसेवक होना चाहिए, तभी वह देश और आवाम का भला कर सकता है। पाकिस्तान में तो जिसे देखिए वही अपना खुद का भला करने में लगा हुआ नजर आता है। सत्ता में रहते हुए आरोप लगना आम बात है, लेकिन अपराधी ठहराए जाना और फिर विदेशों में अपने बचे हुए दिनों को काटना या उस वक्त का इंतजार करना जिसमें कि वो वापसी कर फिर सत्ता में काबिज हो सकें। इसके भी पाकिस्तान में कम उदाहरण नहीं हैं। पाकिस्तान की मौजूदा सरकार अपने फैसले को सही साबित करने के लिए इतना तो कहती दिखती है कि पीटीआई पर कार्रवाई के लिए विश्वसनीय सबूत मौजूद हैं। तरार बताते हैं कि विदेशी फंडिंग मामले, 9 मई को हुए दंगे, सिफर प्रकरण और अमेरिका में पारित प्रस्ताव को देखते हुए यह सरकार मानती है कि पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने के लिए ये सबूत ही काफी और विश्वसनीय हैं। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या पाकिस्तान की सरकार अपने ही सुप्रीम कोर्ट के फैसले को चुनौती दे रही है, जिसमें पीटीआई को एक राजनीतिक दल के रुप में कार्य करने की इजाजत दी गई है। इसके जवाब में सूचना मंत्री तरार का कहना था कि शहबाज सरकार ऐसे फैसले के खिलाफ पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट के सामने एक समीक्षा याचिका भी दायर करेगी। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा था कि इमरान खान की पार्टी राष्ट्रीय विधायिका में 20 से अधिक अतिरिक्त आरक्षित सीटों के लिए पात्र है। इस फैसले के बाद पाकिस्तान की गठबंधन सरकार पर सदन के भीतर दबाव बढ़ा, संभवतः अब वह दबाव और बर्दाश्त करने के लायक नहीं बची है। इसलिए इस फैसले को भी सरकार चुनौती देने की बात कह रही है। इस तरह के तमाम सवाल पाकिस्तानी मीडिया से छन-छन कर दुनियां के सामने आ रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि कुछ तो देश में अचानक और अचंभित करने जैसा होने जा रहा है। अप्रत्याशित कुछ भी नहीं, लेकिन वह कैसे और कब होगा यह खास मायने अब रखता है।

अंततः पूर्व प्रधानमंत्री 71 वर्षीय इमरान खान के बारे में थोड़ा बतलाते चलें कि वो पाकिस्तान ही नहीं दुनियां के लोकप्रिय क्रिकेटर रहे हैं। उनकी शानदार कप्तानी में पाकिस्तान ने 1992 में एकदिवसीय वर्ल्डकप जीत दुनियां के खेल जगत में देश का नाम रोशन कर दिया था। खेल के मैदान में सफलता के झंडे गाड़ने के बाद इमरान राजनीति में कदम रखते हैं और 1996 में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का गठन कर जाते हैं। इसके साथ ही जनता का सहयोग मिलता है और अपने मंसूबों को अमली जामा पहनाने के लिए इमरान 1996 से 2023 तक पीटीआई के अध्यक्ष रहते हैं। अगस्त 2018 से अप्रैल 2022 तक इमरान पाकिस्तान के 22वें प्रधानमंत्री के रूप में भी काम करते हुए एक इतिहास रचने जैसा काम कर चुके हैं। यहां साल 2022 में वो पीएम पद से हटते हैं, जिसके बाद उनकी मुश्किलें बढ़ना शुरू हो जाती हैं। उन पर दना-दन कई मामले दर्ज हो जाते हैं और उनको गिरफ्तार कर जेल भेजने की प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाती है। बहरहाल इमरान खान जो फिलहाल जेल में हैं के खिलाफ सरकार ने अंतिम कदम उठाने जैसी घोषणा करके सभी का ध्यान एक बार फिर इमरान की तरफ मोड़ दिया है। देखना होगा कि पाकिस्तान में इतिहास दोहराया जाता है या फिर कोई बीच का रास्ता निकाल लिया जाता है, क्योंकि दुनियां की नजरें इस वक्त पाकिस्तान के सियासी हालात पर यूं ही नहीं टिकी हुई हैं। यदि ऐसा कुछ होता है तो फिर पाकिस्तान एक बार फिर हिंसा और मार-काट के दौर से गुजरता हुआ दिखेगा। इसका फायदा सौ फीसद आतंकवादी अपने मंसूबों को अमली जामा पहना कर उठाएंगे ही उठाएंगे। यही नहीं पाकिस्तान से अलग होने का राग अलापने वाले संगठन और उनके समर्थक भी इस माहौल का भरपूर फायदा उठाते हुए बगावती तेवर दिखाएंगे। पाकिस्तान से अलग होने के लिए एक टांग पर खड़े बलूच और उनके समर्थक जोड़-तोड़ कर कुछ ऐसा करने की फिराक में होंगे, जिससे बांगलादेश की तरह उन्हें भी आजादी हासिल हो जाए। ऐसे में हाल ही में अफगानिस्तान से पंगा ले चुके पाकिस्तान को सीमापार से चुनौतियां मिलेंगी ही मिलेंगी। इन तमाम परेशानियों और झंझावातों से यदि लड़ने की छमता सरकार में है, तो वह अपने फैसले पर अडिग रह सकती है, वर्ना शतरंज की बाजी की तरह अपने बढ़ाए हुए गलत समय में गलत मोहरों को वापस अपने घर लाना ही समझदारी है।

भिक्षावृत्ति मुक्त भारत बनाने की राह में चुनौतियां

हेमलता म्हस्के

अब देश में भीख मांगने पर रोक लगेगी क्योंकि उनके संरक्षण और पुनर्वास के लिए कोशिश होगी। देश में भिक्षावृत्ति बढ़ती जा रही है और रोकने की कोई ठोस पहल नहीं हुई है। हालांकि, भिक्षावृत्ति के खिलाफ कुछ राज्यों में कानून भी बने हैं लेकिन वे इसे रोक पाने में सक्षम नहीं हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने केंद्र और राज्य सरकारों को भिखारियों की स्थिति में सुधार व पुनर्वास की सिफारिश की है। आयोग के महासचिव भरत लाल ने कहा है कि भिक्षा में लगे लोगों की मौजूदगी कमजोर समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों को दर्शाती हैं। भिक्षावृत्ति का कारण सिर्फ गरीबी नहीं है बल्कि यह एक सामाजिक और आर्थिक समस्या है जहां शिक्षा और रोजगार से वंचित लोग अपनी आजीविका के लिए भीख मांगने को मजबूर होते हैं। शहरों में धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर भीख मांगने वालों में ज्यादातर महिलाएं, बच्चे, किन्नर, बुजुर्ग और दिव्यांग होते हैं। देश में भीख मांगना एक अहम सामाजिक समस्या रही है, जिसके पीछे गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता और दिव्यांगता आदि वजहें हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, जहां देश में करीब चार लाख से अधिक लोग भिक्षावृत्ति से जुड़े हुए थे। फिलहाल उनकी संख्या बढ़कर करीब 7 लाख पहुंचने का अनुमान है। भिखारियों की संख्या बढ़ने का यह अनुमान केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से शहरों को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने को लेकर शुरू किए गए अभियान के दौरान लगा है। शहरों में इस अभियान को शुरू करने से पहले इनका सर्वे कराया गया था। हालांकि, यह योजना मौजूदा समय में करीब 30 शहरों में ही चलाई जा रही है जिसका लक्ष्य 2026 तक भिक्षावृत्ति मुक्त भारत बनाने का है।

भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आठ प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। सिफारिश के मुताबिक केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय को नगर निगमों और सरकारी एजेंसियों की सहायता से भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का एक केंद्रीकृत डेटाबेस बनाने की सलाह दी गई है। आयोग ने भीख मांगने में लगे लोगों के संरक्षण और पुनर्वास पर एक राष्ट्रीय नीति का मसौदा तैयार करने की सिफारिश की है, ताकि लक्षित वित्तीय सहायता, व्यावसायिक प्रशिक्षण, गरीबी उन्मूलन और निरंतर निगरानी और पर्यवेक्षण के साथ रोजगार के अवसरों सहित उनके लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाकर कार्यान्वित किया जा सके। आयोग ने कहा है कि सामाजिक सुरक्षा हेतु डिजिटल-प्रिंट मीडिया में जागरूकता अभियान शुरू कर संगठित/जबरन भीख मांगने की समस्या को सभी रूपों में समाप्त किया जाए। आयोग ने कहा है कि संगठित समूह अक्सर कमजोर बच्चों को भीख मांगने के लिए बाध्य करते हैं। कुछ मामलों में बच्चों को भीख के लिये मजबूर करने हेतु उनका अपहरण तक कर लिया जाता है।

जबरन भीख मांगने के किसी भी रैकेट पर अंकुश लगाने के लिए मानव व्यापार विरोधी कानून बनाने के लिए एक समाजशास्त्रीय और प्रभावी आर्थिक मूल्यांकन जरूरी है। इस कानून में अपराधियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित हो। आयोग ने इस समस्या के समग्र समाधान हेतु सामाजिक कल्याण हस्तक्षेप, बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच, अधिकारों की रक्षा और उन्हें समाज में फिर से शामिल करने में मदद हेतु मजबूत कानूनी ढांचा बनाने की जरूरत बताई है। आयोग ने कहा है कि भीख मांगने के कारणों को सामने लाने के लिए भिखारियों के सर्वेक्षण, पहचान, मानचित्रण और डेटा बैंक तैयार करना, भिक्षावृत्ति में लगे लोगों का पुनर्वास, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, कानूनी और नीतिगत ढांचा, गैर-सरकारी संगठनों, नागरिक समाज संगठनों, निजी क्षेत्र, धर्मार्थ ट्रस्टों आदि के साथ सहयोग, वित्तीय सेवाओं तक पहुंच, जागरूकता पैदा करना, संवेदीकरण व निगरानी की जाए। आयोग का कहना कि भिक्षावृत्ति में लिप्त लोगों की पहचान प्रक्रिया पूरी होने के बाद, उन्हें शहरों या जिलों में स्थित आश्रय गृहों में लाया जाए। उन्हें निवासियों के रूप में पंजीकृत किया जाए तथा राज्यों/संघ राज य क्षेत्रों या अधिकृत एजेंसियों में संबंधित विभागों/ नगरपालिकाओं/ ग्राम पंचायतों द्वारा पहचान पत्र जारी किए जाएं; आश्रय गृह उन्हें उचित आवास और भोजन की सुविधा, कपड़े, स्वास्थ्य सेवा, आधार कार्ड, राशन कार्ड और बैंक खाते खोलने में सहायता सहित अन्य जरूरी सेवाएं मुहैया करे। सुनिश्चित करें कि भिक्षावृत्ति में लगे लोगों के पुनर्वास की प्रक्रिया हेतु मानसिक स्वास्थ्य परामर्श, नशामुक्ति और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करें। बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत सरकारी या निजी स्कूलों में भीख मांगने में शामिल 6-14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को पंजीकृत और नामांकित किया जाए। साथ ही सम्मान से जीने के लिये कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाए। साथ ही सरकारी तंत्र भिखारियों को उनके हकों के बारे में जागरूक करने के लिए एक जन-संपर्क और मोबिलाइजेशन सिस्टम स्थापित करें ताकि उनका शोषण रोका जा सके। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, गैर-सरकारी संगठनों और मानव अधिकार संरक्षकों सहित विभिन्न हितधारकों को शामिल किया जाए।

विचार मंथन

सरकारी धन की लूट, रिश्वत और भ्रष्टाचार का साम्राज्य

(लेखक-सनत कुमार)

आम जनता अपना वोट देकर नेता चुनती है। अपने अधिकार नेताजी को सौंप देती है। नेताजी और अधिकारी मिलकर आम जनता के विश्वास को धोखा देते हैं। फाइलों में गरीबों के नाम पर बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाई जाती हैं। उन योजनाओं का लाभ गरीबों को आज भी नहीं मिल पा रहा है। भ्रष्टाचार को खत्म करने वाली सरकार के राज में अभी भी अधिकारी और नेता मिलकर आम आदमी की जमीनों पर कब्जा करते हैं। हर काम में दलाली करते हैं। गुंडों की फौज खड़ी कर लेते हैं, इस काम में न्यायपालिका का सहारा भी नेताओं और अधिकारियों के इस गठजोड़ द्वारा लिया जा रहा है। जिसके कारण आम जनता कराह रही है। कहने को सरकारी अधिकारी और कर्मचारी जनता के नौकर हैं। लेकिन अब जनता से मालिक की तरह व्यवहार कर रहे हैं। नेताओं के साथ मिलकर नौकरशाह आम जनता को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। लुटता आम आदमी है, उसको कानूनों के मकड़जाल में फंसा दिया जाता है। भ्रष्टाचारी और रिश्वतखोरों के ऊपर कभी कोई कार्यवाही नहीं होती है। मध्यप्रदेश का व्यापमं घोटाला इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। छत्तीसगढ़ में आदिवासियों की जमीन लूटने के लिए नेता और अधिकारियों के गठजोड़ ने नियमों और कानून का ऐसा जाल बना दिया। जिसमें आदिवासी फंसकर फड़फड़ाते रह गए। उनकी जमीनों पर बड़े-बड़े उद्योगपतियों का कब्जा हो गया। रक्षक ही अब भक्षक बन रहे हैं। न्यायपालिका द्वारा आंखों में पट्टी बांधकर समर्थ लोगों को ही न्याय दिया जा रहा है। गरीब आदमी सारे जीवन अदालतों के चक्कर लगाता है। वकीलों को पैसा देता है, उसके पास जो होता है, वह भी लुट जाता है। थक-हार के घर में बैठ जाता है, यही वर्तमान का सच है। खुलेआम अवैध शराब और मादक पदार्थ बिक रहे हैं। अतिक्रमण बढ़ता ही जा रहा है। नगर पालिका, नगर निगम और अब ग्राम पंचायतें भी आम नागरिकों पर कुछ वर्षों में टैक्स और नए-नए शुल्क लगाए जा रहे हैं। सुविधा खत्म होती जा रही हैं। पार्षद, विधायक, सांसद और मंत्री बड़े-बड़े सपने दिखाकर चले जाते हैं। सरकारी खजाने से हर विभाग को जो राशि मिलती है। नेता और अधिकारी फाइलों पर जनहित की योजनाओं की राशि खर्च कर आपस में बंटवारा कर लेते हैं। अनाज भी अब फर्जी तरीके से बांटा जा रहा है। सरकार कहती है, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देते हैं। लेकिन आधे से अधिक राशन नेताओं और सरकारी अधिकारियों के भ्रष्टाचार और मिली भगत के कारण लूट लिया जाता है। पिछले 30-40 वर्षों में नेता और अधिकारी देवताओं की तरह पूजे जा रहे हैं। विरोध करने या अधिकार मांगने पर जेल का रास्ता दिखाया जा रहा है। हमारे नेताओं और सरकारी अधिकारियों का यह चरित्र बन गया है। शहरों में हाहाकार मचा है, पानी नहीं मिलता है। समय पर सफाई नहीं होती है। बिजली की कटौती कई बार होती है। अनाप-शनाप बिल भेजे जाते हैं। नेता और सरकारी अधिकारी मिलकर पहले झुग्गी बस्ती बसातें हैं। पुनर्वास के नाम पर करोड़ों रुपए की योजना बनाते हैं। गरीबों को घर नहीं मिलते, नेताओं और अधिकारियों के दलाल उस पर कब्जा कर लेते हैं, किराए पर या बेचकर लाखों करोड़ों रुपए कमा लेते हैं। कई वर्षों से यह धंधा अनवरत रूप से चला आ रहा है। फर्जी वोटर कार्ड, फर्जी राशन कार्ड, फर्जी जमीन के पट्टों, फर्जी संस्थाएं जहां देखो, वहीं घपले-घोटाले खुलेआम कर रही हैं। जांच के नाम पर वर्षों तक गड़बड़ियों और घोटालों को दबाकर रखा जाता है। जब लोग भूल जाते हैं, तो जांच में जिम्मेदार व्यक्ति निर्दोष करार कर दिए जाते हैं।

अभी बरसात शुरू हुई है। हर शहर नदी नालों में तब्दील हो गए हैं। थोड़ी सी बारिश में जगह-जगह पानी भर जाता है। रोड गड्ढों में बदल गई है। सूचना अधिकार कानून में अब जानकारी मिलना बंद हो गई है। संविधान में लोकतंत्र की जो परिभाषा लिखी है। वर्तमान में वह परिभाषा पूरी तरह से बदल गई है। जनता का राज होगा। विधायिका और कार्यपालिका ने मिलकर मलिक को नौकर की तरह बंधक बनाकर रखा है। आम जनता से नौकरों की तरह व्यवहार किया जा रहा है। हर स्तर पर चौथ वसूली हो रही है। अब ऐसे संगठित गिरोह हो गए हैं, जो सैकड़ों की संख्या में एकजुट होकर जनता को धमकाते और डराते हैं। शासन-प्रशासन और राजनेताओं का चौथ-वसूली में संरक्षण होता है। राजाओं के शासनकाल में राजा के सैनिक गांव-गांव में जाकर लूटमार करते थे। लगभग वही स्थिति अब बन गई है। ऐसा लगता है कि सुधार के सभी मार्ग बंद हो चुके हैं। न्यायपालिका भी अब शासन के अधीन होकर रह गई है। न्यायपालिका से अब न्याय नहीं मिल पा रहा है। न्यायालय सरकार और सरकारी अधिकारियों के पक्ष में काम करते हुए नजर आ रही हैं। आम जनता में नाराजी और मायूसी देखने को मिल रही हैं। यह स्थिति धीरे-धीरे बगावत को जन्म देती है। वर्तमान शासन-प्रशासन की व्यवस्था शक्तिशाली लोगों के हाथ में केंद्रित होकर रह गई है। न्यायपालिका भी इन्हीं के प्रभाव में काम कर रही है।

जर्मनी में विदेशी छात्रों को मिलती है कम कीमत में क्वालिटी एजुकेशन

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

जर्मनी में क्यों करें पढ़ाई

जर्मनी में पढ़ाई करने के कई कारण हैं जिसमें प्रमुख है शिक्षा की बेहतरीन गुणवत्ता, ट्यूशन फीस में छूट, शानदार करियर के मौके, इंगलिश में पढ़ाए जाने वाले इंटरनैशनल डिग्री प्रोग्राम आदि शामिल हैं। जर्मनी की यूनिवर्सिटिज की दुनिया में काफी प्रतिष्ठा है। टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में जर्मनी की 47 यूनिवर्सिटिज दुनिया की सबसे अच्छी यूनिवर्सिटिज में शामिल हैं। आप इस बात पर विश्वास करें या नहीं लेकिन यह सच है कि जर्मनी की कई यूनिवर्सिटिज ट्यूशन फीस नहीं लेती हैं और यह बात विदेशी छात्रों पर भी लागू होती है। इसके अलावा यहां छात्रों के पास स्कॉलरशिप प्राप्त करने के भी कई मौके होते हैं खासतौर से जर्न अकेडमिक एक्सचेंज सर्विस के जरिए। इसके भारत में कई ऑफिस हैं जो भारतीय छात्रों को उनकी जरुरत के हिसाब से कोर्स मुहैया कराती है।

भाषा

जर्मनी में विदेशी छात्र करीब 2 हजार ऐसे कोर्सेस में से अपनी पसंद का कोर्स चुन सकते हैं जिनकी पढ़ाई अंग्रेजी में कराई जाती है। इसलिए यहां जर्मन भाषा की समझ जरूरी नहीं है। हालांकि जर्मन भाषा को सीखना आगे आपके ही काम आएगा।

आइडिया का देश

जर्मनी शुरू से ही अविष्कारों का देश रहा है यहां प्रिंटिंग प्रेस से लेकर ऑटोमोबाइल और एमपी 3 फॉर्मेट का अविष्कार हुआ है। अभी तक करीब 80 जर्मन वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार मिल चुका है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फॉरम की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी सबसे इनोवेटिव देश है। इसमें जर्मनी की यूनिवर्सिटिज अहम रोल निभाती है क्योंकि यहां रिसर्च काफी मजबूत है।

किसी जर्मन यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र 18 महीने जर्मनी मे नौकरी ढूंढने के लिए रूक सकते हैं। जर्मनी इंडस्ट्रीयल इनोवेशन और मैनुफैक्चरिंग में वर्ल्ड लीडर है इसलिए यहां हर समय इंजिनियर्स की कमी रहती है। इसके अलावा यहां कई ऐसे शहर हैं जहां होली और दिवाली जैसे त्योहार मनाए जाते हैं जिसके कारण यह भारतीयों के लिए बेहतरीन डेस्टिनेशन है।

ये 5 वॉटर कोर्स दिलाएंगे विदेश जाने का मौका

अगर आप विदेश जाकर करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए जरूरी आर्टिकल है। यहां पर हम यहां पर टॉप-5 वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट कोर्सेज के बारे में बता रहे हैं, जिनमें आप बेहतरी करियर बना सकते हैं। साथ ही लाखों-करोड़ों रुपये की कमाई भी कर सकते हैं।

पानी की कमी और खराब गुणवत्ता जैसी समस्याएं आज पूरी दुनिया में देखी जा रही हैं। सबसे बड़ी बात ये समस्याएं किसी एक देश की सीमाओं में नहीं सिमटी हैं। ऐसे में वैश्विक जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए कुशल रणनीतिकारों और विकास विशेषज्ञों की ज़रूरत है। दुनिया भर में कई देश अपने जल संसाधनों का प्रबंधन टिकाऊ तरीके से करने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए ऐसे लोगों की ज़रूरत है जिनके पास सही विशेषज्ञता और व्यावहारिक ज्ञान दोनों का मिश्रण हो।

क्रॉस कल्चरल कम्यूनिकेशन स्किल

वैश्विक स्तर पर टिकाऊ जल कूटनीति के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद स्थापित करना और वैश्विक भाषाई परिवेश में काम करना सीखना है। पेशेवर कूटनीतिज्ञों को कूटनीतिक वार्ता, हितधारकों को जोड़ने और नीतिगत पैरवी करते समय सावधानी और खुले दिमाग का परिचय देना चाहिए।

तकनीकी विशेषज्ञता

जल विज्ञान, जल प्रबंधन सिद्धांतों और पर्यावरण विज्ञान में मजबूत आधार होना इस पेशे की नींव है। जल मॉडलिंग, जीआईएस और डेटा विश्लेषण में विशेषज्ञता आमतौर पर हायर करने वाले ढूंढते हैं।

नीति विश्लेषण और विकास

जल क्षेत्र का मूल जल नीतियों का विश्लेषण करना, उनके लागू करने के परिणामों का अध्ययन करना और बेहतर, टिकाऊ जल संसाधन प्रबंधन रणनीतियों के विकास में शामिल होना है।

वार्ता और समाधान

जल पेशेवरों में कूटनीतिक स्किल मजबूत होनी चाहिए और उन्हें विवादों का समाधान करने में सक्षम होना चाहिए ताकि पानी तनाव और संघर्ष का कारण न बने।

कोर्सेज एंड ट्रेनिंग, वाटर डिप्लोमेसी एंड गवर्नेंस

अंतर्राष्ट्रीय जल कानून, सीमा पार जल प्रबंधन और कूटनीति पर बल देने वाले पाठ्यक्रम छात्रों को साझा जल संसाधनों के प्रबंधन में शामिल जटिल मुद्दों की बुनियादी समझ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

पर्यावरण नीति और रेगुलेशन

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ जल संसाधनों के लिए नियामक व्यवस्थाओं की जानकारी होना उचित कानून और रणनीतियां बनाने के लिए ज़रूरी है।

परियोजना प्रबंधन

बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को सफलतापूर्वक चलाने के लिए नेतृत्व क्षमता, बजट बनाने का कौशल, सहयोग और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों वाली टीम वर्क की आवश्यकता होती है।

जल विज्ञान और जल प्रबंधन

ऐसे तकनीकी पाठ्यक्रम मौजूद हैं जो जल विज्ञान मॉडलिंग, जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन और एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन जैसे विषयों पर पढ़ाते हैं। ये पाठ्यक्रम जल संसाधनों के टिकाऊ उपयोग के लिए व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करते हैं।

अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता

इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता कौशल पर केंद्रित होते हैं, जो वैश्विक जल क्षेत्र में विभिन्न हितधारकों के साथ सफलतापूर्वक बातचीत करने की क्षमता प्रदान करते हैं।

पेशेवर विकास कार्यक्रम

संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और क्षेत्रीय विकास बैंक जैसे संगठन अक्सर जल संसाधन प्रबंधन और अंतर्राष्ट्रीय विकास के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों के लिए पेशेवर विकास कार्यक्रम और प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करते हैं।

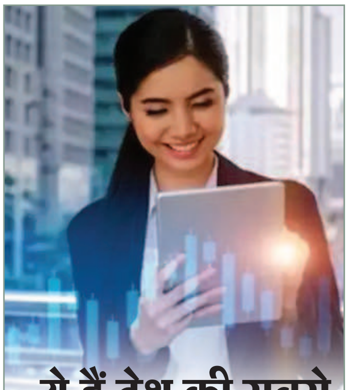

ये हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियां, जानिए एवरेज फीस

समय के साथ देश में शिक्षा भी महंगी हो गई है। शायद यही वजह है कि अब कुछ डिग्रियों को प्राप्त करने के लिए युवाओं को ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते हैं। हालांकि, सरकारी कॉलेजों में फीस फिर भी कम है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों कई कोर्सेज के फीस बहुत ही ज्यादा है। ऐसे में आइए हम आपको बताते हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में

भारत में मेडिकल, इंजीनियरिंग सहित कई कोर्स संचालित किए जाते हैं। कई कोर्स ऐसे होते हैं जिन्हें करने के बाद बढ़िया सैलरी भी मिलती है। हालांकि, ये डिग्रीयां महंगी भी होती हैं। ऐसे में आइए हम आपको बता दें कि देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में?

मेडिसिन

मेडिसिन की डिग्री भारत में महंगी डिग्री में एक है। मेडिसिन की पढ़ाई सरकारी कॉलेजों में सस्ती होती है। लेकिन अगर प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो मेडिसिन की डिग्री के लिए 50 लाख से 1 करोड़ रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है।

इंजीनियरिंग डिग्री

भारत में इंजीनियरिंग डिग्री के लिए सरकारी स्कूलों में फीस एक वर्ष की 2 लाख रुपये तक है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो इंजीनियरिंग के लिए 10 लाख रुपये या फिर उससे ज्यादा तक की फीस एक वर्ष के लिए देना पड़ सकता है।

बिजनेस डिग्री

बिजनेस मैनेजमेंट सहित अन्य कोर्सेज के लिए आईआईएम सहित अन्य सरकारी कॉलेजों को छोड़कर स्टूडेंट्स 20 से 25 लाख रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है। हालांकि, प्राइवेट इंस्टीट्यूट में स्टूडेंट्स को कई तरह की स्कॉलरशिप भी दी जाती है।

लॉ कोर्सेज

लॉग की डिग्री लेने के लिए प्राइवेट कॉलेजों में स्टूडेंट्स को कुल 10 लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। बदलते दौर के साथ लॉ के क्षेत्र में करियर ऑप्शन भी बढ़ गए हैं। जिसके चलते बड़ी संख्या में हर वर्ष स्टूडेंट्स लॉ की पढ़ाई करते हैं। यही वजह है कि कई प्राइवेट कॉलेजों की तरफ से फीस भी बढ़ा दी गई है।

एविएशन

एविएशन की डिग्री भी देश की महंगी डिग्रियों में एक है। एविएशन की पढ़ाई के लिए स्टूडेंट्स को 5 लाख रुपये से 15-20 लाख रुपये की फीस एक वर्ष की देनी पड़ सकती हैं। हालांकि, एविएशन की पढ़ाई के बाद स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती हैं।

डिजाइन

डिजाइन कोर्सेज की गिनती भी महंगी डिग्रियों में होती है। देश के कई संस्थानों से डिजाइन कोर्सेज को करने के लिए स्टूडेंट्स को 10 से लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। हालांकि, डिजाइन कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती है।

फूड स्टार्टअप्स में ऐसे बनाएं करियर

बदलते जमाने के साथ लोग परंपरागत कोर्सेज से हटकर कुछ ऐसे नए कोर्स कर रहे हैं, जिससे वे न सिर्फ पैसा कमा कर रहे हैं, बल्कि अपना सपना भी पूरा कर रहे हैं। इन्हीं फील्ड में फूड स्टार्टअप भी नया विकल्प बनकर उभरा है। जिसमें आप बेहतर करियर बना सकते हैं।

खाने की दुनिया लगातार बदल रही है और इस बदलाव में सबसे आगे चल रहे हैं फूड आंत्रप्रेन्योर्स। ये नई पीढ़ी के बिजनेस करने वाले लोग परंपरागत रेस्टोरेंट के तरीकों को तोड़ रहे हैं। ये ना सिर्फ खाने के बारे में हमारे नजरिए को बदल रहे हैं, बल्कि खाने से जुड़े स्टार्टअप्स में रोजगार के नए मौके भी पैदा कर रहे हैं। अगर आप भी इस रोमांचक फील्ड में करियर बनाने की सोच रहे हैं, तो सबसे पहले ये जानना ज़रूरी है कि फूड बिजनेस से जुड़े कौन-कौन से कोर्स हैं, करियर के कौन से विकल्प मौजूद हैं और आपको किन खासियतों की ज़रूरत होगी।

पाठ्यक्रम और शिक्षा

अच्छा खाना पकाने की शिक्षा के बिना ज्यादातर फूड एंटरप्रेन्योर्स अपना सपना पूरा नहीं कर पाते। वैसे तो कुकिंग स्कूल क्लासिकल और प्रैक्टिकल तरीके से खाना बनाना सिखाने के साथ-साथ किचन मैनेजमेंट भी सिखाते हैं, लेकिन फूड एंटरप्रेन्योरशिप कोर्स रेस्टोरेंट इंडस्ट्री में बिजनेस चलाने के बारे में पूरी जानकारी देते हैं। इन कार्यक्रमों में खासतौर पर फूड प्रोडक्ट डेवलपमेंट, मार्केटिंग और फाइनेंशियल मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में जानकारी दी जाती है। इससे भविष्य के फूड एंटरप्रेन्योर्स को बिजनेस में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी स्किल्स हासिल हो जाते हैं।

फूड स्टार्टअप्स में करियर विकल्प

शेफप्रेन्योर

जो लोग खाने के क्षेत्र में नयापन लाना चाहते हैं, उनके लिए शेफप्रेन्योर बनना एक बेहतरीन विकल्प है। ये क्रिएटिव फूड प्रोडक्ट डेवलपर होते हैं, जो अपने पाक कला के हुनर से ऐसे प्रोडक्ट्स बनाते हैं, जिनका स्वाद ग्राहकों के ज़हन में बस जाता है और उनकी ब्रांड प्रतियोगिता में अलग पहचान बनाती है।

फूड टेक्नोलॉजिस्ट

फूड टेक्नोलॉजिस्ट वो प्रोफेशनल्स होते हैं, जो खाने के सामान बनाने और उनकी खासियतों को बनाए रखने में माहिर होते हैं। फूड साइंस और टेक्नोलॉजी के ज्ञान का इस्तेमाल करते हुए ये प्रोडक्ट की क्वालिटी, सुरक्षा और शेल्फ लाइफ सुनिश्चित करते हैं, साथ ही नए प्रोडक्ट बनाने और मौजूदा प्रोडक्ट्स को बेहतर बनाने के अवसर तलाशते हैं।

मार्केटिंग और ब्रांडिंग स्पेशलिस्ट

फूड स्टार्टअप बाजार में सफलता के लिए अच्छी मार्केटिंग और ब्रांडिंग बहुत जरूरी है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स सोशल मीडिया, इनफ्लुएंसर कोलैबोरेशन और एक्सपीरियंसल मार्केटिंग कैम्पेन्स जैसे अलग-अलग मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए ब्रांड रिकॉल, लॉयल्टी और डिमांड पैदा करने के लिए अपने क्रिएटिव स्किल्स और रणनीतिक सोच का इस्तेमाल करते हैं।

सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर

फूड स्टार्टअप की सफलता के लिए किसी भी काम की तरह सप्लाई चेन का सुचारू रूप से चलना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर सामान मंगवाने, प्रोडक्शन प्रोसेस को लागू करने और लॉजिस्टिक सपोर्ट का समन्वय करते हैं, जिससे पूरी सप्लाई चेन एक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से चलती है।

स्पाइसजेट का शेयर सात प्रतिशत से अधिक चढ़ा

मुंबई। विमानन कंपनी स्पाइसजेट का शेयर मंगलवार को सात प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। बीएसई पर शेयर 7.35 प्रतिशत चढ़कर 60 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी के वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही का एकल मुनाफा छह गुना बढ़कर 119 करोड़ रुपये होने की जानकारी देने के एक दिन बाद शेयर में तेजी आई। 2023 की इसी तिमाही में कंपनी ने 16.85 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। विमानन कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजारों को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय 20 प्रतिशत घटकर 1,719.37 करोड़ रुपये रह गयी, जो 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 2,144.85 करोड़ रुपये थी।

स्मार्टवर्ल्ड डेवलपर्स ने अहलूवालिया कॉन्ट्रैक्ट्स को दिया 581 करोड़ रुपये का ठेका

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी स्मार्टवर्ल्ड डेवलपर्स ने गुरुग्राम में अपनी लक्जरी आवासीय परियोजना के निर्माण के लिए अहलूवालिया कॉन्ट्रैक्ट्स को 581 करोड़ रुपये का ठेका दिया है। कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में कहा, परियोजना 'स्मार्टवर्ल्ड द एडिशन' गुरुग्राम के सेक्टर 66 में गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड पर स्थित है। इसके साथ कंपनी लक्जरी आवासीय खंड में प्रवेश कर रही है। इस परियोजना से ''6,000 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल होने की उम्मीद है।'' गुरुग्राम स्थित स्मार्टवर्ल्ड डेवलपर्स की स्थापना 2021 में की गई थी। बयान के अनुसार, 30 लाख वर्ग फुट के बिक्री योग्य क्षेत्र और 10 एकड़ में फैली इस परियोजना में करीब 900 अपार्टमेंट होंगे। स्मार्टवर्ल्ड डेवलपर्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विवेक सिंघल ने कहा, ''कई बड़ी परियोजनाओं को पूरा करने के बेहतरीन रिकॉर्ड के साथ अहलूवालिया कॉन्ट्रैक्ट्स (इंडिया) ने निर्माण उद्योग में एक मिसाल कायम की है। हमें विश्वास है कि उनकी विशेषज्ञता और गुणवत्ता को लेकर प्रतिबद्धता इस परियोजना की सफलता सुनिश्चित करेगी।'' कंपनी गुरुग्राम में कई परियोजनाओं को अंजाम दे रही है।

एलन मस्क ने रोबोटैक्सी के अनावरण में विलंब की पुष्टि की

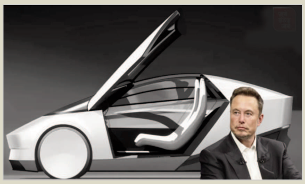

डेट्रॉयट (अमेरिका)।

टेस्ला के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने बहुचर्चित रोबोटैक्सी के अनावरण में विलंब की पुष्टि की है। यह बहुचर्चित अनावरण कार्यक्रम आठ अगस्त को होने वाला था। मस्क ने आयोजन की कोई नई तारीख बताए बिना सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि उन्होंने वाहन के आगे के हिस्से के डिजाइन में बदलाव का अनुरोध किया है। उन्होंने लिखा, ''अतिरिक्त समय हमें कुछ अन्य चीजें पेश करने का मौका देता है।'' 'ब्लूमबर्ग न्यूज' ने बृहस्पतिवार को एक खबर में दावा किया था कि मस्क ने कुछ बदलाव करने की मांग की है जिससे रोबोटैक्सी अनावरण कार्यक्रम अक्टूबर तक के लिए टाल दिया जाएगा।

- कॉल ड्रॉप और मोबाइल नेटवर्क से जूझ रहे हैं उपभोक्ता

नई दिल्ली।

हाल ही में देश के 362 जिलों में लोकल सर्किल का सर्वे किया गया है। पिछले 12 महीना में मोबाइल यूजर्स की सबसे बड़ी परेशानी कॉल ड्रॉप होना, और मोबाइल नेटवर्क के सिग्नल नहीं मिलना है। मार्च से जून के बीच में किए गए सर्वे में 10 में से नौ लोगों ने स्वीकार किया है। बार-बार कॉल ड्रॉप होते हैं। कॉल ड्रॉप की शिकायत 91 फ़ीसदी उपभोक्ताओं ने की है। मोबाइल नेटवर्क नहीं होने से इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या से भी उपभोक्ता जूझ रहे हैं। कमजोर नेटवर्क के कारण कॉल ड्रॉप होने की शिकायत 41 फ़ीसदी लोगों ने की है। 30 सेकंड के अंदर ही कॉल ड्रॉप हो जाता है।

टेलीकॉम कंपनियां महीने के आधार पर शुल्क वसूल करती हैं। हाल ही में 10 से 25 फ़ीसदी तक शुल्क टेलीकॉम कंपनियों ने बढ़ाया है। टेलीकॉम कंपनियां आज भी उपभोक्ताओं को कॉल ड्रॉप की समस्या से निजात और मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं करा पाई हैं। इसके बाद भी उन्हें शुल्क बढ़ाने की अनुमति दी गई है। ज़ब मोबाइल कंपनियां मुनाफे में है। उपभोक्ताओं को ट्राई द्वारा निर्धारित सेवा उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। उल्टे जजिया कर की तरह हर माह उपभोक्ताओं से शुल्क वसूल किया जा रहा है। ट्राई की स्थापना उपभोक्ताओं और टेलिकॉम कंपनियों के हितों में समन्वय बनाए रखने के लिए की गई थी। न्यायिक प्राधिकरण होते हुए इसका झुकाव टेलीकॉम कंपनियों की ओर होता है। जिसके कारण अब उपभोक्ताओं में टेलीकॉम कंपनियों के साथ-साथ ट्राई के प्रति भी नाराजी देखने को मिल रही है।

नई दिल्ली । कोयला मंत्रालय ने सातवें दौर के दूसरे चरण के अंतर्गत नीलाम की गई तीन कोयला खदानों के लिए कोयला खनन विकास और उत्पादन समझौतों को निष्पादित किया जिसमें एनएलसी इंडिया लिमिटेड, गुजरात मिनरल डेवलपमेंट निगम लिमिटेड और तमिलनाडु जेनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन निगम लिमिटेड शामिल है। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि तीन खदानों में से दो आंशिक रूप पर उत्खनित हैं, जबकि एक पूरी तरह अन्वेषित है। मंत्रालय ने कहा कि जिन खदानों के लिए समझौते किए गए हैं उनमें मच्छकटा (पुनरीक्षित) कोयला खदान, कुडनाली लुबरी कोयला खदान और सखीगोपाल-बी काकुरही कोयला खदान है।

एयर इंडिया ने मेकमाईट्रिप के साथ शुरू किया बुकिंग मंच

मुंबई । टाटा समूह की एयर इंडिया एक्सप्रेस ने यात्रियों के लिए उड़ान, आवास और गाड़ियों की बुकिंग के लिए ऑनलाइन ट्रैवल फर्म मेकमाईट्रिप के साथ मिलकर साझा मंच एक्सप्रेस होलिडेज शुरू किया है। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने कहा कि मेकमाईट्रिप के साथ साझेदारी से यात्रियों की विभिन्न प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए कई तरह के आकर्षक पैकेज उपलब्ध कराए जा सकेंगे। एयरलाइन ने कहा कि एक्सप्रेस होलिडेज सेवा के तहत वेबसाइट के जरिये विशेष सौदों की पेशकश की जाएगी। इसके साथ ही यह मंच कैब के पिक-अप, दर्शनीय स्थलों की यात्रा और अनुभवों सहित होलिडे पैकेज तक पहुंच भी मुहैया कराएगा। एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक वध्ष्ठि अ धिकारी ने कहा कि मेकमाईट्रिप की तरफ से संचालित एक्सप्रेस होलिडेज की पेशकश के साथ हम पूरे देश और अपने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों में उड़ानों और आवासों पर विशेष रूप से तैयार पेशकश भी दे रहे हैं। इस साझेदारी के तहत मेकमाईट्रिप की वेबसाइट के होलिडे पैकेज पेज पर एक्सप्रेस होलिडेज की मौजूदगी दिखेगी। वहां पर एयर इंडिया एक्सप्रेस उड़ानों के साथ खासतौर पर बनाए गए सौदे भी नजर आएंगे। मेकमाईट्रिप के एक परिचालन अधिकारी ने कहा कि हम एयर इंडिया एक्सप्रेस के यात्रियों के लिए होलिडे पैकेज और विशेष सौदों का समूह लेकर आ रहे हैं। वे अपनी उड़ान टिकटों के साथ इनकी बुकिंग कर सकते हैं।

शेयर बाजार रिकार्ड ऊंचाई पर बंद, सेंसेक्स 80,716 पर पहुंचा

निफ्टी 24,613 पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को भी तेजी रही और ये अब तक के सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गया है। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश से भी बाजार को बल मिला। आज कारोबार के दौरान एफएमसीजी , दूरसंचार और आईटी शेयरों में खरीददारी से भी बाजार में सकारात्मक माहौल रहा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 51.69 अंक करीब 0.06 फीसदी बढ़कर अपने अबतक के सबसे उच्च स्तर 80,716.55 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 26.30 अंक तकरीबन 0.11 फीसदी बढ़कर 24,613 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 74.55 अंक करीब 0.30 फीसदी उछलकर रिकॉर्ड 24,661.25 अंक तक पहुंच गया।

बाजार में आये इस उछाल का मुख्य कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की खरीदीदारी है। प्रमुख कंपनियों के तिमाही परिणाम उत्साहजनक रहने से भी बाजार ऊपर आया है। आज कारोबार के दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, महिंद्रा एंड कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट और पावर ग्रिड के शेयर नीचे आये।

आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 2,648.78 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजार से मिले अच्छे संकेतों की वजह से बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी ने तेजी के साथ शुरुआत की है। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती सौदों में लगभग 170 अंक बढ़कर 80,835 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी50 ने नया रिकॉर्ड बनाते हुए 24,650 का स्तर छू लिया, जो लगभग 75 अंक की बढ़त है। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार देखा गया। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स200 0.08 फीसदी की गिरावट में रहा, जबकि कोरिया का कोस्पी 0.07 फीसदी की बढ़त में रहा। जापान का निक्केई 0.71 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा। यूरोपीय बाजारों में भी गिरावट दर्ज की गई।

भारत सतत विकास लक्ष्यों की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता रहा है: नीति आयोग के उपाध्यक्ष

संयुक्त राष्ट्र।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने कहा कि भारत अपने प्रयासों के जरिये सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजीएस) की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता रहा है। बेरी आर्थिक तथा सामाजिक परिषद के तत्वावधान में आठ जुलाई से 17 जुलाई तक संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित सतत विकास पर उच्च स्तरीय राजनीतिक फोरम (एचएलपीएफ) में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इसका विषय '2030 एजेंडा को सुदृढ़ बनाना तथा विभिन्न संकटों के समय में गरीबी उन्मूलन~ सतत, लचीले तथा नवीन समाधानों का प्रभावी क्रियान्वयन' है। बेरी ने यहां सोमवार को कहा, ''भारत अपने प्रयासों के जरिये इन सतत विकास लक्ष्यों की प्रगति में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता रहा है। उसने व्यापक स्तर पर भौतिक तथा डिजिटल बुनियादी ढांचे की सफल पेशकश की, धोखाधड़ी को कम करने के लिए डिजिटल के साथ लक्षित सामाजिक राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र कार्यक्रमों, महिलाओं की एजेंसी में सुधार, सबसे कम विकसित प्रशासनिक क्षेत्राधिकारों पर ध्यान देने और प्राकृतिक तथा मानव निर्मित आपदाओं के लिए स्थानीय व राष्ट्रीय कार्रवाई को मजबूत करने के जरिये सफलता प्राप्त की है।'' उन्होंने साथ ही कहा कि बहुआयामी गरीबी सूचकांक के संबंध में भारत 2030 की समय-सीमा से काफी पहले ही क्षेत्रीय परिभाषाओं के अनुसार सभी आयु वर्गों के पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के गरीबी में रहने के अनुपात को कम से कम आधा करने के लक्ष्य 1.2 को प्राप्त करने की राह पर है। बेरी ने कहा, ''2015-16 और 2019-21 के बीच पांच वर्षों में करीब 13.5 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर आए।'' उन्होंने कहा कि वर्तमान में 52 करोड़ से अधिक भारतीयों को नकद रहित स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिल रहा है। भारत ने वैश्विक महामारी के दौरान और उसके बाद के वर्षों में 80 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त खाद्य आपूर्ति की गारंटी दी है, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम बन गया है। जलवायु संबंधी कार्रवाई पर उन्होंने कहा कि भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा और अर्थव्यवस्था को कार्बन मुक्त बनाने में भारी निवेश किया है, जबकि भारत में प्रति व्यक्ति उत्सर्जन सबसे कम है।

रुपया शुरुआती कारोबार में चार पैसे की बढ़त के साथ 83.57 प्रति डॉलर पर

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख तथा विदेशी पूंजी प्रवाह के बीच रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में चार पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.57 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि स्थानीय आयातकों की डॉलर मांग ने रुपये की तेजी को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.59 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.57 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.61 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.33 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84.62 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 152.42 अंक यानी 0.19 प्रतिशत बढ़कर 80,817.28 अंक पर रहा। वहीं एनएसई निफ्टी 46.40 अंक यानी 0.19 प्रतिशत चढ़कर 24,633.10 अंक पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में सोमवार को लिवाल रहे और शुद्ध रूप से 2,684.78 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर खरीदे।

फॉर्म-16 के बिना भी भर सकते हैं आईटीआर रिटर्न

नई दिल्ली ।

फॉर्म 16 वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए अपना वार्षिक आईटीआर दाखिल करने के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। हालांकि, वेतनभोगी कर्मचारी फॉर्म-16 के बिना भी अपना इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल किया जा सकता है। इनकम टैक्स कानून के मुताबिक ये अनिवार्य दस्तावेज नहीं है। अगर आपके पास फॉर्म-16 नहीं है, तब भी आप अपना आईटीआर भर सकते हैं। अगर आपका एम्प्लॉयर फॉर्म-16 नहीं जारी करता है, तब भी आप इनकम टैक्स विभाग की साइट से फॉर्म-26एएस, एआईएस या टीआईएस सर्टिफिकेट निकालकर अपना टैक्स कैलकुलेशन कर सकते हैं। अगर आप फॉर्म-16 के बिना ही अपना आईटीआर फाइल करना चाहते हैं, तब आपको कुछ दस्तावेजों की आवश्यकता होगी। सैलरी स्लिप्स, बैंक का स्टेटमेंट, बैंक से एक टीडीएस सर्टिफिकेट, हाउस रेंट और एलटीए का प्रूफ, इंवेस्टमेंट का प्रूफ और फॉर्म-26एएस या एआईएस या टीआईएस। जिस तरह फॉर्म-16 में आपकी टैक्सेबल इनकम की डिटेल होती है। उसी तरह आपको अपनी टैक्सेबल इनकम कैलकुलेट करनी है। इसे आप मैनुअल या कई ऑनलाइन टूल की मदद से कैलकुलेट करते हैं। इनकम टैक्स की साइट से फार्म-26एएस या एआईएस डाउनलोड करने पर आपको आपकी टीडीएस की डिटेल मिल जाएगी। अगर वो कटा होगा, तो आप उसे काउंट कर सकते हैं। आप अपने 80सी, 80डी और अन्य इंवेस्टमेंट को कैलकुलेट करके, उसे टोटल इनकम में से घटाकर अपनी टैक्सेबल इनकम निकाल सकते हैं। अगर आपने किसी अन्य सोर्स से इनकम की है, तो उसे भी कैलकुलेट कर सकते हैं। जब आपकी टैक्सेबल इनकम कैलकुलेट हो जाए, तब आप सामान्य आईटीआर की तरह अपना इनकम टैक्स रिटर्न फाइल कर सकते हैं।

घरेलू कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्सद बढ़कर 7 हजार रुपये प्रति टन, नई दरें लागू

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने घरेलू कच्चेद तेल पर अप्रत्या शित लाभ कर (विंडफॉल टैक्से स) में फिर इजाफा किया है। सरकार ने विंडफॉल टैक्सर को 6 हजार रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 7 हजार रुपये प्रति टन कर दिया है। नई दरें मंगलवार से लागू हो गई हैं। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर मौजूदा विंडफॉल टैक्स 6 हजार रुपये प्रति टन से बढ़ाकर 7 हजार रुपये प्रति टन कर दिया गया है।

हालांकि, पेट्रोल, डीजल और विमानन ईंधन (ईटीएफ) के निर्यात पर लगने वाला अतिरिक्त् उत्पाा‍द शुल्कक (एसएईडी) को शून्य पर स्थिे र रखा गया है। इससे पहले सरकार ने जुलाई महीने की शुरुआत में भी घरेलू स्तयर पर उत्पापदित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को बढ़ाया था। सरकार ने उस समय कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को बढ़ाकर 6 हजार रुपये प्रति टन कर दिया गया था। 15 जून को विंडफॉल टैक्स 3,250 रुपये प्रति टन थी। इस महीने विंडफॉल टैक्स में लगातार दूसरी बार बढ़ोतरी की गई है। उल्लेेखनीय है कि घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर भारत ने पहली बार जुलाई 2022 में विंडफॉल टैक्स लगाया था। सरकार अंतरराष्ट्रीपय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमत के आधार पर इसकी समीक्षा हर पखवाड़े करती है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी गिरावट

नई दिल्ली।

घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन गिरावट नजर आ रही है, जिसके कारण सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुएं कल की तुलना में और सस्ती हो गई हैं। आज की कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 73,780 रुपये से लेकर 73,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी सर्राफा बाजारों में 67,840 रुपये से लेकर 67,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज भी 74 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर कारोबार कर रहा है। सोने की तरह ही आज चांदी के भाव में भी गिरावट दर्ज की गई है। इसकी वजह से आज दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 95,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 73,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 74,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 73,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 67,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 73,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 73,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 67,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,680 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 67,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली।

ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। रेट कट की संभावना के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। इस वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल मजबूती के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। इसके विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल के एक बयान के बाद अमेरिका में रेट कट की संभावना बढ़ गई है। महंगाई पर काबू पाने को लेकर पॉवेल ने कहा है कि महंगाई 2 प्रतिशत के लक्ष्य की तरफ तेजी से पहुंच रही है। इस बयान के बाद अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उछाल आ गया। डाउ जॉन्स 211 अंक की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,631.22 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.40 प्रतिशत उछल कर 18,472.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 40,292.10 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। अमेरिकी बाजार के उलट यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करते रहे। एफटीएसई इंडेक्स 0.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,182.96 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 1.20 प्रतिशत टूट कर 7,632.71 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 157.29 अंक यानी 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ 18,590.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,490.72 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.41 प्रतिशत फिसल कर 7,248.88 अंक तक गिर गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में आज बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 245.98 अंक यानी 1.38 प्रतिशत टूट कर 17,769.96 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,967.85 अंक के स्तर पर बना हुआ है।

युवराज, हरभजन और गुरकीरत और रैना पर विकलांग लोगों का मजाक उड़ाने के आरोप

-एनसीपीईडीपी ने पुलिस में दर्ज करायी शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटरों हरभजन सिंह, सुरेश रैना, युवराज सिंह और गुरकीरत मान पर विकलांग लोगों का मजाक उड़ाने के आरोप लगाते हुए एक शिकायत पुलिस में दर्ज करायी गयी है। ये शिकायत नेशनल सेंटर फॉर प्रमोशन ऑफ एम्प्लॉयमेंट फॉर डिसेबल्ड पीपल (एनसीपीईडीपी) के कार्यकारी निदेशक अरमान अली ने पुलिस स्टेशन में दी। इन क्रिकेटरों के अलावा मेटा इंडिया की उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक संध्या देवनाथन के खिलाफ भी शिकायत की गई है।

विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स फाइनल में इंडिया चैंपियंस की पाकिस्तान चैंपियंस पर जीत के बाद इन पूर्व क्रिकेटरों ने इंस्टाग्राम पर एक डांस वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो में युवराज , हरभजन और रैना लंगड़ाते और अपनी पीठ पकड़कर मैच के दौरान अपने शरीर पर पड़ने वाले शारीरिक प्रभाव को दिखाते नजर आ रहे हैं। साथ ही लिखा था कि पिछले 15 दिनों के टूर्नामेंट में शरीर की तौबा तौबा हो गई और हर हिस्सा दर्द में है। साथ ही कहा का कि ऐसा लगा जैसे विकी कौशल से हमारा मुकाबला हो। अब इसी वीडियो पर विकलांग कार्यकर्ताओं ने आपत्ति जतायी है। उन्होंने इसे पूरी तरह से अपमानजनक बताया है। अरमान ने शिकायत में कहा कि यह विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम का भी उल्लंघन करता है। उन्होंने अधिकारियों से इसमें शामिल व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल जरुरी कार्रवाई करने का आग्रह किया और सार्वजनिक हस्तियों को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता पर जोर दिया। शिकायत दर्ज कराने के बाद अली ने कहा कि इन क्रिकेटरों की ओर से साधारण माफी से काम नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि उन्हें उनके कृत्य के लिए दंडित किया जाना चाहिए।

वहीं इसको लेकर हरभजन ने माफी मांगते हुए लिखा, हम किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते थे। हम हर व्यक्ति और समुदाय का सम्मान करते हैं और यह वीडियो

15 दिनों तक क्रिकेट खेलने के बाद हमारे शरीर को प्रतिबिंबित करने के लिए था। हम किसी का अपमान या अपमान करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं अगर फिर भी किसी को ऐसा लगे तो हम माफी चाहते हैं।

ओलंपिक में लक्ष्य को मिला अच्छा ड्रॉ, खुलकर खेलेगा : कोच विमल कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन के कोच विमल कुमार का मानना है कि उसे अपने पहले ओलंपिक में अच्छा ड्रॉ मिला है जिसमें 'अंडरडॉग' होने के कारण वह खुलकर खेल सकेगा। दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य को ओलंपिक पदक जीतने के लिये इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी, पिछले ओलंपिक में सेमीफाइनल खेलने वाले ग्वाटेमाला के केविन कोर्डोन और बेल्जियम के जूलियन कारागी जैसे दिग्गजों से ग्रुप एल में पार पाना होगा।

भारत के पूर्व कोच विमल ने कहा, 'मुझे लगता है कि ड्रॉ अच्छा है।' उन्होंने कहा, 'वह कई बार जोनाथन क्रिस्टी से करीबी मुकाबले हार चुका है। यह बराबरी का मामला है। दूसरे चरण में जाने के लिए मौकों को भुनाना होगा। मेरे हिसाब से लक्ष्य के पास खोने के लिए कुछ नहीं है। वह अंडरडॉग रहेगा जिससे खुलकर खेल सकेगा।'

लक्ष्य को बड़े मैचों का खिलाड़ी बताते हुए विमल ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह एशियाई खेलों के पूर्व चैम्पियन क्रिस्टी को हरा सकेगा। ओलंपिक में भारत के लिये साइना नेहवाल (2012 में कांस्य) और पी वी सिंधू (2016 में रजत और 2020 में कांस्य) पदक जीत चुकी हैं।

अलमोड़ा के रहने वाले लक्ष्य की तैयारी के लिए दक्षिण कोरिया के दो बार के ओलंपिक पुरूष युगल रजत पदक विजेता यू योंग सुंग को वापिस बुलाया गया जिन्होंने उसके नेट गेम, कोर्ट पर रफ्तार और दबाव के हालात में फोकस पर काम किया। उन्होंने 2022 में लक्ष्य के साथ काम किया था।

विमल ने कहा, 'पिछले तीन सप्ताह से यू योंग सुंग इन चीजों पर उसके साथ काम कर रहे हैं।% लक्ष्य ओलंपिक खेलने जा रहे पोपोव बंधुओं क्रिस्टो और टोमा जूनियर के साथ भी अभ्यास कर रहे हैं। भारतीय खिलाड़ी किरण जॉर्ज और आयुष शेट्टी भी अभ्यास के लिये वहां मौजूद हैं । लक्ष्य अपने कोच के साथ 22 जुलाई को पेरिस रवाना होंगे।

श्रीलंका के खिलाफ किसे मिलेगी टी20 टीम की कप्तानी, बीसीसीआई के सीनियर सूत्र ने दी बड़ी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार हरफनमौला हार्दिक पांड्या श्रीलंका के खिलाफ 27 जुलाई से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 क्रिकेट श्रृंखला में भारत के कप्तान होंगे। पांड्या निजी कारणों से अगस्त में होने वाली तीन मैचों की वनडे श्रृंखला नहीं खेलेंगे।

बीसीसीआई के एक सीनियर सूत्र ने बताया, 'हार्दिक पांड्या भारतीय टी20 टीम के उप-कप्तान थे। वह पूरी तरह फिट हैं और तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए उपलब्ध भी लिहाजा वह कप्तान होंगे।' रोहित शर्मा ने विश्व कप जीतने के बाद टी20 क्रिकेट को अलविदा कह दिया। टी20 श्रृंखला 27 से 30 जुलाई तक पल्लेकेले में खेली जाएगी जबकि वनडे दो से सात अगस्त तक कोलंबो में होंगे। टीम की घोषणा अगले कुछ दिन में होगी। अभी यह तय नहीं है कि उप-कप्तान शुभमन गिल होंगे या सूर्यकुमार यादव।

वनडे श्रृंखला के बारे में अधिकारी ने बताया कि पांड्या ने निजी कारणों से ब्रेक मांगा है और नियमित कप्तान रोहित शर्मा को इसकी जानकारी दे दी है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने साफ तौर पर कहा है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने पर सभी स्टार क्रिकेटरों को भी घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। रोहित, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को छूट दी गई है। बीसीसीआई चाहता है कि बाकी सभी टेस्ट विशेषज्ञ अगस्त में दलीप ट्रॉफी का कम से कम एक मैच खेलें। इसके बाद टीम को बांग्लादेश और न्यूजीलैंड से टेस्ट श्रृंखला खेलनी है।

आईसीसी रैंकिंग : हरमनप्रीत 12वें और शेफाली 15वें स्थान पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर आईसीसी टी20 रैंकिंग में क्रमशः 12वें और 15वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

हरमनप्रीत तीन पायदान आगे बढ़ी हैं। उनके कुल 613 रेटिंग अंक हैं। शेफाली को दो स्थान का फायदा हुआ है। वह न्यूजीलैंड की अमेलिया केर और इंग्लैंड की डैनी वायट के साथ 15वें स्थान पर हैं। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना पांचवें स्थान पर बनी हुई हैं और वह भारतीय खिलाड़ियों में शीर्ष पर काबिज हैं। गेंदबाजों की सूची में अनुभवी दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर बनी हुई हैं। राधा यादव आठ पायदान चढ़कर 15वें, पूजा वस्त्राकर छह पायदान ऊपर 23वें और श्रेयंका पाटिल नौ पायदान ऊपर चढ़कर 60वें स्थान पर पहुंच गईं हैं। इंग्लैंड की स्पिनर सारा ग्लेन ने 768 अंकों के साथ अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के चार मैचों में आठ विकेट चटकाए हैं। वह पहले की तरह दूसरे स्थान पर बनी हुई हैं। उनकी साथी सोफी एक्लेस्टोन शीर्ष पर काबिज हैं।

बावा का विश्व जूनियर स्क्वाश में पदक पक्का, अनाहत बाहर

नई दिल्ली । भारत के शौर्य बावा ने ह्यूस्टन में चल रही विश्व जूनियर स्क्वाश के सेमीफाइनल में पहुंचकर पदक पक्का कर लिया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के लो वा सर्न को 3.2 से हराया । दिल्ली के 18 वर्ष के बावा 2014 में कुश कुमार के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय पुरूष खिलाड़ी बन गए। करीब 80 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में वह पांचवें गेम में 6.9 और 7.10 से पिछड़ गए थे लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 2.11, 11.4, 10.12, 11.8, 12.10 से जीत दर्ज की । अब उनका सामना मिस्र के शीर्ष वरीयता प्राप्त मोहम्मद जकारिया से होगा। वहीं अनाहत सिंह लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में लगातार तीसरे साल हारकर बाहर हो गई। भारत की 16 वर्ष की राष्ट्रीय चैम्पियन को मिस्र की नादियां इल्हामामी ने 11.8, 11.9, 5.11, 10.12, 13.11 से हराया ।

अश्विन ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग में खेली धमाकेदार पारी, ओपनर के तौर पर 20 गेंदों में 45 रन बनाए

कोयंबटूर । आर अश्विन ने कोयंबटूर में तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) मैच में डिंडीगुल ड्रैगन्स के लिए चेपॉल सुपर गिलिज के खिलाफ तूफानी पारी खेलकर आक्रामक बल्लेबाजी की झलक दिखाई । कोयंबटूर में बारिश से प्रभावित मैच में अश्विन ने विपक्षी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ा दीं और ओपनिंग करते हुए सिर्फ 25 गेंदों पर 45 रन बनाए । डिंडीगुल ड्रैगन्स की शुरुआत बेहद खराब रही और मैच के दूसरे ओवर में उनका स्कोर 3 विकेट पर 3 रन हो गया । मैच को घटाकर सात ओवर प्रति टीम कर दिया गया । अभिषेक तंवर ने पहले ओवर में दो शुरुआती विकेट लिए, जबकि राहिल शाह ने दूसरे ओवर में बाबा इंद्रजीत का बड़ा विकेट लिया । पांचवें नंबर पर आए आर विमल कुमार ने गणेशन पेरियास्वामी के पहले ओवर में दो चौके लगाकर दबाव को थोड़ा कम करने में मदद की ।

सुमित नागल ने हासिल की करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग

नई दिल्ली । ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके सुमित नागल एटीपी टेनिस एकल रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 68वें स्थान पर पहुंच गए हैं । सोमवार को जारी नवीनतम एटीपी रैंकिंग में 26 साल के नागल को पांच स्थान का फायदा हुआ है । उनकी पिछली सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 71 थी । नागल इस तरह दुनिया के 71वें नंबर के पूर्व खिलाड़ी शशि मेनन को पीछे छोड़कर 1973 से सर्वोच्च रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ियों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए । विजय अमृतराज (1980 में 18वें स्थान पर), रमेश कृष्णन (1985 में 23वें स्थान पर) और सोमदेव देववर्मन (2011 में 62वें स्थान पर) एटीपी सर्किट पर नागल से बेहतर रैंकिंग हासिल कर चुके हैं । पिछले कुछ समय में प्रभावी नतीजों की बदौलत नागल की रैंकिंग में सुधार हुआ है और साथ ही वह पेरिस ओलंपिक के एकल वर्ग में क्वालीफाई करने में भी सफल रहे । पेरिस ओलंपिक के पुरुष एकल में जगह बनाने वाले एकमात्र भारतीय नागल के 779 एटीपी अंक हैं । नागल ने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियाई ओपन में कजाखस्तान के 31वें वरीय एलेक्जेंडर बुबलिक के खिलाफ जीत के साथ की । उन्होंने फ्रेंच ओपन और विंबलडन में भी भाग लिया । नागल ने जून में जर्मनी में हीलब्रॉन नेकरकप 2024 चैलेंजर स्पर्धा और फरवरी में चेन्नई ओपन में पुरुष एकल का खिताब जीता । वर्तमान में सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले भारतीय एकल खिलाड़ी नागल ने 2023 से चार एटीपी चैलेंजर खिताब जीते हैं और हीलब्रॉन क्ले कोर्ट पर उनका चौथा खिताब था ।

बायजू को झटका , बीसीसीआई की अपील पर एनसीएलटी ने दिवालिया प्रक्रिया शुरू की

-कंपनी की संपत्तियों को बेचकर कर्ज लौटाया जाएगा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसी) की प्रयोजक रही एड्टेक कंपनी बायजू अब दिवालिया हो गयी है। ऐसे में राष्ट्रीय कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने कंपनी के वर्तमान प्रबंधन को भंग करते हुए ही दिवालिया समाधान प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं दूसरी ओर कंपनी ने अब भी बीसीसीआई के साथ अपने विवाद को अदालत के बाहर सुलझाने का अवसर देने की अपील की है।

कंपनी के प्रवक्ता का कहना है कि हम बीसीसीआई के सहयोग से 'आउट ऑफ कोर्ट' सेटलमेंट का प्रयास कर रहे हैं। वहीं बीसीसीआई ने 8 सितंबर, 2023 को एक याचिका दायर कर बायजू के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू करने की अपील की थी। तब बीसीसीआई ने कहा था कि कंपनी ने उसका 158 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया है। इसी याचिका को स्वीकार करते हुए एनसीएलटी ने कहा कि कंपनी के खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू नहीं किये जाने का कोई आधार नहीं बनता है। करने का कोई ग्राउंड दिखाई नहीं देता है.

इसी के तहत ही एनसीएलटी ने बायजू की पैरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न को बड़ा झटका देते हुए उसके खिलाफ दिवालिया प्रक्रिया शुरू कर दी है। ट्रिब्यूनल ने वर्तमान प्रबंधन को भंग कर पंकज श्रीवास्तव को अंतरिम रिज्योलूशन पेशेवर बनाया है। साथ ही कंपनी के कर्जदाताओं को शीघ्र ही कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स बनाने को कहा है और तब तक इसकी कमान पंकज श्रीवास्तव के हाथ रहेगी। एनसीएलटी ने कहा है कि पंकज कमेटी बनने तक कंपनी को संभालेंगे। ट्रिब्यूनल ने बायजू के सभी मामलों को एकसाथ रखने और भी कर्जदाताओं की कमेटी बनाने का आदेश दिया है। इस आदेश के बाद कंपनी के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू हो जाएगी। अब कंपनी की संपत्तियों का मूल्य निर्धारित किया जाएगा और उसे बेचकर कर्जदाताओं को पैसे लौटाये जाएंगे।

एनसीएलटी ने साथ ही आदेश दिया कि दिवालिया प्रक्रिया पूरी होने तक बायजू अपनी किसी भी संपत्ति का कोई लेनदेन नहीं कर सकती है। कंपनी के प्रबंधन की कमान भी क्रेडिटर्स की कमेटी को सौंप दी जाएगी।

लियोनेल मेसी को जल्द वापसी की उम्मीद, कोपा अमेरिका फाइनल में लगी थी चोट

मियामी । अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने उम्मीद जताई है कि रविवार को कोपा अमेरिका फाइनल में कोलंबिया पर उनकी टीम की 1-0 की जीत के दौरान लगी टखने की मोच से वह जल्दी ठीक हो जाएंगे । 37 वर्षीय खिलाड़ी को फ्लोरिडा के मियामी गाडर्न्स के हार्ड रॉक स्टेडियम में मैच के 66वें मिनट में कोलंबियाई प्रतिद्वंद्वी का पीछा करते समय अपना टखना घुमाने के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा था । मेसी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'शुक्र है कि मैं ठीक हूं और मुझे उम्मीद है कि मैं जल्द ही फिर से मैदान पर वह काम करूंगा जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है ।' नंबर 10 ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं, खासकर इसलिए क्योंकि हमने अपना लक्ष्य हासिल कर लिया है और फिडे [डि मारिया] हमें छोड़कर चली गई है, लेकिन एक और ट्रॉफी के साथ । उनके जैसे पुराने खिलाड़ी, ओटा [निकोलस ओटामेंडी] हम एक टीम हैं और एक परिवार भी हैं ।' अर्जेंटीना की जीत के जश्न में हिस्सा लेने के बावजूद मेसी को चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए आने वाले दिनों में मेडिकल जांच से गुजरना होगा । अधिकांश टखने की मोचों के ठीक होने के लिए कम से कम तीन सप्ताह की अवधि की आवश्यकता होती है, जिसका अर्थ है कि मेसी के अगस्त तक अपने क्लब, इंटर मियामी के लिए उपलब्ध होने की संभावना नहीं है ।

मैं शुभमन गिल को कप्तान नहीं बनाऊंगा- भारतीय स्पिनर का दावा, बोले- वो नहीं जानता कि...

नई दिल्ली । जिमबाब्वे दौरे पर शुभमन गिल को टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया की कप्तानी सौंपी गई थी । शुभमन के नेतृत्व में टीम ने पहला मुकाबला बुरी तरह से हारा लेकिन इसके बाद वापसी करते हुए अगले चार मैच जीते और सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली । गिल इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने प्लेयर रहे । इस सीरीज में भारत की ओर से पांच प्लेयरों ने डेब्यू भी किया । जिससे बीसीसीआई को भविष्य की रणनीति बनाने में सफलता मिल सकती है । बहरहाल, एक तरफ जहां बीसीसीआई शुभमन को संभावित कप्तान के रूप में देख रहा है तो वहीं, दूसरी ओर पूर्व स्पिनर अमित मिश्रा ने दावा किया है कि शुभमन को कप्तानी की समझ नहीं है । मिश्रा ने एक पॉडकास्टर पर विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ रिश्तों पर बोलने के अलावा शुभमन को भी निशाने पर भी लिया । मिश्रा ने कहा कि मैं शुभमन गिल को कप्तान नहीं बनाऊंगा । मैंने उसे आईपीएल में देखा था और वह नहीं जानता कि कप्तानी कैसे की जाती है । उसे कोई जानकारी नहीं है । उन्होंने पहले कभी कप्तानी भी नहीं की है । उन्हें कप्तान क्यों बनाया गया, चयनकर्ताओं से पूछें- क्योंकि भारत में है तो कप्तान बनाओ बस? ये नहीं होना चाहिए (उन्हें कप्तान नहीं बनाया जाना चाहिए था) । 24 वर्षीय गिल अभी आईपीएल में गुजरात टाइटंस के कप्तान हैं । वह पिछले आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जब जीटी उपविजेता रही थी ।

पेरिस ओलंपिक में पदक के दावेदार हैं अमित पंघाल

नई दिल्ली । भारतीय मुक्केबाज मुक्केबाज अमित पंघाल आजकल पेरिस ओलंपिक के लिए अभ्यास में जुटे हुए हैं , उनसे पदक की उम्मीदें देश को रहेंगी । पंघाल का लक्ष्य अब पेरिस ओलंपिक में पदक जीतना रहेगा । पेरिस ओलंपिक के लिए टिकट मिलने के बाद से ही वह बेहद उत्साहित हैं । पंघाल ने एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है जिससे भी उनका मनोबल बढ़ा हुआ है । पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद से ही वह निराश थे, इसे बाद बड़ी मुश्किल से उन्हें जगह मिली । पंघाल को तब अवसर मिला जब दीपक भोरिया दो प्रयासों के बाद भी 51 किग्रा में ओलंपिक कोटा हासिल नहीं कर पाये। पंघाल को अंतिम क्वालीफाइंग स्पर्धा के लिए चुना गया और उन्होंने इसमें जीत हासिल कर ओलंपिक टिकट हासिल किया। इस मुक्केबाज को पिछले तीन साल में सीमित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के कारण कई पहलुओं पर काम करना पड़ा । उन्हें प्रतियोगिता से केवल एक महीने पहले ही अपने चयन के बारे में पता चला था । उन्होंने कहा, ''मैंने हर चीज पर काम किया । मैंने शरीर को आराम देने पर काम किया क्योंकि मुकाबलों के बीच आराम काफी जरुरी होता है ।

निशानेबाज अंजुम मोदगिल ने मानसिक द्वंद से पार पाकर बनाई ओलंपिक में जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले साल एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं बनाने से निराश निशानेबाज अंजुम मोदगिल ने मानसिक द्वंद से पार पाकर पेरिस ओलंपिक में जगह बनाई। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी मोदगिल ने विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीते हैं लेकिन तोक्यो ओलंपिक में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। वह 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में 15वें और 10 मीटर एयर राइफल में 18वें स्थान पर रही थी। पेरिस ओलंपिक में वह केवल 50 मीटर 3 पोजीशन में भाग लेगी।

मोदगिल ने स्वीकार किया कि विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में नहीं चुने जाने के बाद उनकी आंखें खुल गई। इसके बाद उन्होंने अपनी

मानसिक दृढ़ता और अभ्यास पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा, 'तोक्यो के बाद तीन साल मेरे लिए उतार-चढ़ाव वाले रहे। मैंने मुश्किल दौर देखा और मैं मजबूत वापसी करना चाहती थी। तोक्यो का अनुभव निश्चित रूप से पेरिस में काम आएगा।'

मोदगिल ने कहा, 'मैंने वास्तव में कोटा और ट्रायल्स का फायदा उठाया। महासंघ ने मुझे उम्मीद नहीं खोने के लिए कहा था। मैं जिस दौर से गुजर रही थी, वह उससे अच्छी तरह वाकिफ थे। विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों के लिए टीम में जगह नहीं बनाने के बाद मैं मजबूत वापसी करने के लिए आश्वस्त थी।' उन्होंने कहा, 'मैंने केवल अपने खेल पर ध्यान दिया और मैं ट्रायल्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को लेकर सकारात्मक थी। मुझे अपने मजबूत पक्ष पता थे और मैं जानती थी कि दबाव में कैसे खेलना है। इसका मुझे फायदा मिला।'

मोदगिल ने कहा, 'तोक्यो ओलंपिक के एक साल बाद मैंने विश्व कप में कुछ पदक जीते और मैं विश्व में नंबर एक खिलाड़ी बनी। मैंने मानसिक रूप से मजबूत बनने पर ध्यान दिया। यह मेरे लिए सकारात्मक कदम था। अब मैं बात करने में नहीं हिचकिचाती जो पेरिस ओलंपिक से पहले सकारात्मक बदलाव है। मैंने समय का उपयोग बेहतर बनने और यह पता लगाने के लिए किया कि मेरे लिए क्या बेहतर है।'

मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के महत्व को समझते हुए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने एक हेल्पलाइन शुरू की है जो ओलंपिक के दौरान सभी खिलाड़ियों को मानसिक स्वास्थ्य को लेकर परामर्श देगी। मोदगिल ने कहा, 'सभी महासंघों और आइओसी का मानसिक स्वास्थ्य के बारे में समझना महत्वपूर्ण है। एक खिलाड़ी के मानसिक स्वास्थ्य के बारे में समझ रखना महत्वपूर्ण होता है। इसलिए पेरिस ओलंपिक के दौरान मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन शुरू करना सकारात्मक कदम है।'

विश्व युवा जागरूकता दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, नेहरू युवा केंद्र, समाज कल्याण विभाग और एलडी हाई स्कूल-सचिन द्वारा एक रैली का आयोजन किया

सूरत । विश्व युवा जागरूकता दिवस के जश्न के तहत, नेहरू युवा केंद्र, राज्य समाज कल्याण विभाग और एलडी हाई स्कूल-सचिन की संयुक्त पहल ने एलडी हाई स्कूल से गांधी कुटीर तक गांधीजी के जीवन दर्शन के पोस्टर के साथ एक रैली निकाली। वंज़गाम। जिसमें उच्च माध्यमिक अनुभाग के विद्यार्थियों सहित शिक्षण स्टाफ भी शामिल हुआ।

इस अवसर पर आचार्यश्री डॉ. नीलेशभाई जोशी ने साबरमती कोचरब आश्रम से दांडी तक की ऐतिहासिक दांडी यात्रा का सिंहावलोकन किया और कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक महत्व रखने वाली दांडीयात्रा सूरत जिले के चोरयाई तालुका के वानज़ गांव में आई थी। 2 अप्रैल, 1930. महात्मा गांधी 79 सत्याग्रही सैनिकों के साथ वानज़ गांव में रात भर रुके थे। इस गांव से अमिट यादें जुड़ी हुई हैं। उस समय वान्ज़ गांव की जनसंख्या 100 थी। जिस दिन गांधीजी डिंडोली से वंज़ आये वह दिन बहुत यादगार बन गया। कल्याणजी मेहता, कल्याणजी के भाई कुँवरजी मेहता और मिठूबेन की तिकड़ी ने हाथों में मशालें लेकर दांडी यात्रियों का स्वागत किया। दांडियायात्रा के दौरान कल्याणजी और कुँवरजी मेहता ने वंज़गाम में एक विशाल सार्वजनिक सभा की, जिसे संबोधित करते हुए गांधीजी ने वंज़ को राष्ट्रीय जागरूकता और राष्ट्रवाद से भरा गाँव बताया।

इस अवसर पर अधिकारी श्री मनोजभाई एवं स्मिताबेन ने माई यूथ इंडिया पोर्टल के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर नेहरू युवा केन्द्र के प्रतिनिधि, शिक्षक, विद्यार्थी, आंगनबाड़ियों की बहनों सहित ग्रामीण उपस्थत थे।

व्हाइट लोटस इंटरनेशनल स्कूल में किंडरगार्टन के बच्चों न रेनबो डे उत्सव मनाया

सुरत भुमि, सूरत।

16 जुलाई 2024 को, व्हाइट लोटस इंटरनेशनल स्कूल के किंडरगार्टन के बच्चों ने रेनबो डे मनाया, जिसमें मस्ती और शिक्षा का मिश्रण था ताकि छोटे दिमागों को प्रभावी ढंग से जोड़ा जा सके। रंग-बिरंगे और चमचमाते इंद्रधनुष को प्रतीकात्मक रूप से हमारे स्कूल में लाया गया, जिसने मानसून की शुरुआत को चिह्नित किया और इसके विविध रंगों के महत्व को उजागर किया। एक ऐसी दुनिया में जो विविधता पर पनपती है, प्रत्येक व्यक्ति को अद्वितीय बनाने वाले अंतर को मनाना महत्वपूर्ण है।

यह दिन अनुभवात्मक सीखने से भरा हुआ था, जिसमें मजेदार पहेलियों, खेलों और पारस्परिक अभ्यासों के माध्यम से स्थानिक और काइनेसथेटिक गतिविधियों को शामिल किया गया था। इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों की मानसिक क्षमताओं को बढ़ाना और उनकी विविध सीखने की शैलियों को पूरा करना था।

इंद्रधनुष के जीवंत रंगों में सजे हमारे नन्हे मुन्नों ने रेनबो डे मनाया, एक उज्जवल और अधिक सामंजस्यपूर्ण भविष्य की दिशा में मार्ग प्रशस्त किया जहां प्रत्येक रंग एकजुट अस्तित्व की सुंदरता में इजाफा करता है।

द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल, की छात्रा माही कोलसावाला ने बैडमिंटन में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

सूरत । टेनिस क्लब में योनेक्स सनराइज स्वर्गीय श्रीमती जयाबेन एस. रावल मेमोरियल गुजरात स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप 2024 में अंडर-11 गर्ल्स डबल्स में माही कोलसावाला ने रनरअप के तौर पर अपनी जगह पक्की कर ली है। विद्यालय इस प्रगति पर गर्व महसूस करता है। स्कूल के अध्यक्ष श्री रामजीभाई मांगूकिया, उपाध्यक्ष जिग्नेशभाई मांगूकिया, प्रबंध निदेशक किशनभाई मांगूकिया, कैंपस निदेशक आशीष वाघानी और प्रिंसिपल त्रिशर परमार माही कोलसावाला ने उन्हें इसी तरह आगे भी आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया।

सूरत के एक सामान्य परिवार की बेटी राज्य सरकार से मिले 15 लाख के विदेशी अध्ययन ऋण की मदद से डॉक्टर बनने के अपने सपने को साकार कर रही है

सूरत।

किसी भी छात्र की पढ़ाई तब चमकती है जब परिवार का स्नेह, सही समय पर मार्गदर्शन और राज्य सरकार की योजना इसमें मदद करती है। आइए सूरत के एक ऐसे प्रतिभाशाली एससी छात्र के बारे में बात करते हैं, जिसने विदेश में राज्य सरकार के ऋण की मदद से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के बावजूद यूक्रेन में तीन साल की उच्च चिकित्सा पढ़ाई पूरी की है।

सूरत जिले के पलसाना तालुक के आना गांव के मूल निवासी और वर्षों से सूरत में बसे एक मध्यम वर्गीय परिवार के मोभी मुकेशभाई चौहान ने कहा कि मेरी बेटी किंजल का बचपन से ही डॉक्टर बनने का सपना था। वहीं किंजल ने 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद विदेश में मेडिकल क्षेत्र में पढ़ाई करने की इच्छा जताई। तो हमें करियर विशेषज्ञों से पता चला कि विदेश में एमबीबीएस की पढ़ाई में लगभग 30 लाख का खर्च आएगा।

घर बेचने के बाद भी मैंने अपनी बेटी को उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजने के बारे में सोचा। एक मध्यम वर्गीय परिवार होने और इस तरह के खर्चों को वहन करने में सक्षम नहीं होने के कारण, मुझे एक मित्र से जानकारी मिली कि डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर को ऋण सहायता मिलती है। इसलिए हमने सूरत के अनुसूचित जाति कार्यालय से संपर्क करके योजना के बारे में सारी जानकारी प्राप्त की।

किंजल की मां रीनाबेन ने ग्रेजुएशन तक पढ़ाई की है, जबकि आईटीआई की पढ़ाई करने वाले पिता मुकेशभाई सूरत में एक निजी कंपनी में काम करते हैं। किंजल चौहान ने बताया कि विदेश में पढ़ाई के लिए सारी जानकारी हासिल करने के बाद उन्होंने 2021 में यूक्रेन की विन्नित्सा नेशनल पिरोगोव मेडिकल यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए एडमिशन लिया. आवश्यक प्रमाण के साथ तुरंत आवेदन करने पर हमें मात्र 4 प्रतिशत की ब्याज दर पर 15 लाख रुपये का ऋण मिल गया। उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल मैंने यूक्रेन में अपनी तीन साल की एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर ली है. लेकिन रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के परिणामस्वरूप, मैंने चौथे वर्ष के लिए उज्बेकिस्तान में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए प्रवेश लिया है। मैं अगस्त-2024 में जाकर बाकी की पढ़ाई पूरी करूंगा।' उन्होंने राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने हमारे सपनों को पंख देने का काम किया है. आज मैं इसी योजना के साथ मेडिकल की पढ़ाई कर रहा हूं. मैं इसके लिए सरकार का बहुत आभारी हूं।'

ज्ञात हो कि, सूरत अनुसूचित जाति कार्यालय की उपनिदेशक श्रीमती एमवी पटेल ने बताया कि विदेश में उच्च अध्ययन के लिए डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर ऋण सहायता योजना के तहत वर्ष 2022-23 में सूरत जिले के 60 छात्रों को 9 करोड़ रुपये का 15 लाख रुपये का ऋण दिया गया है। राज्य सरकार की मदद से आज हजारों छात्र अपने उज्ज्वल करियर के सपने को साकार करने के लिए विदेश जा रहे हैं।

इलेक्ट्रिक मोटरबाइक्स में मैटर की अभिनवताओं को तेज़ करने तथा उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला, विपणन और खुदरा क्षेत्र में विस्तार हेतु पूँजी

अहमदाबाद। भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध एक अभिनवकारी ई.वी. तकनीक और ऊर्जा का भंडारण करने वाली कंपनी, मैटर ग्रुप ने आज घोषणा की कि उसने निवेश के मौजूदा दौर में 35 मिलियन की पहली किश्त प्राप्त कर ली है। इस दौर का नेतृत्व अमेरिका स्थित विश्वस्तरीय समस्या-समाधान संस्थान, हेलेना द्वारा किया जा रहा है, जिसने अपनी उद्यमों में पूँजी निवेश करने वाली शाखा के माध्यम से निवेश किया है। इस दौर के अन्य मुख्य निवेशकों में कैपिटल 2बी, जापान एयरलाइंस और ट्रांसलिंक इनोवेशन फंड, साद बहवन इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनी (एस. बी. इन्वेस्ट), अन्य संस्थागत निवेशक एवं फैमिली ऑफिस शामिल हैं। दूरदर्शी सहयोगियों के बीच यह विश्वस्तरीय सहयोग एक आवाजाही में परिवर्तन की खोज में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जो तकनीकी अभिनवता के माध्यम से पर्यावरणीय समस्याओं का समाधान कर रहा है।

इलेक्ट्रिक वाहनों में अभिनवता के प्रति मैटर के ध्यानपूर्वक दृष्टिकोण पर बल देते हुए, प्रमुख, प्रभाव आधारित संस्थानों द्वारा किया गया वित्तपोषण मैटर के दोहरे दृष्टिकोण - आवाजाही को सशक्त बनाना और स्वच्छ भविष्य को प्रोत्साहित करना - के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का सत्यापन करता है। यह पूँजी सतत, बेहतरीन प्रदर्शन वाले आवाजाही के समाधानों की बढ़ती हुई माँग को पूरा करने के लिए उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला, विपणन और खुदरा क्षेत्र को तेज़ करने के लिए मैटर के प्रयासों को गति प्रदान करेगी।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, मैटर ग्रुप के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री मोहल लालभाई ने कहा, "मैटर में हम हेलेना और उल्लेखनीय निवेशकों का इस आकर्षक यात्रा पर अत्यंत उत्साह के साथ स्वागत करते हैं - जिसमें कैपिटल 2बी, जापान एयरलाइंस और ट्रांसलिंक इनोवेशन फंड, एसबी इन्वेस्ट, अन्य संस्थागत निवेशक और पारिवारिक कार्यालय शामिल हैं। हम अपनी अभिनवकारी तकनीक द्वारा प्रेरित सुलभ, विश्वसनीय और उच्च प्रदर्शन वाले उत्पाद बनाने के प्रति समर्पित हैं। आवाजाही के इस जटिल परिवर्तन की अगुआई 600 से अधिक मैटर इनोवेटर कर रहे हैं, जो हमारे प्रयासों में सवारों को सबसे अधिक प्राथमिकता देते हैं। मैटर इलेक्ट्रिक मोटरबाइक्स के साथ, हम एक नई वास्तविकता को अपनाने और दुनिया के सबसे बड़े दोपहिया बाजार को बदलकर आवाजाही के नियमों को पुनर्परिभाषित करने के लिए तैयार हैं।"

भावनगर में नई माताओं और 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए 'डायरिया रोको अभियान' शुरू किया गया

भावनगर । नई माताओं और 5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए स्व-देखभाल, रेकिट और प्लान इंडिया की एक पहल, स्वास्थ्य विभाग, जिला पंचायत भावनगर के साथ साझेदारी में, आज भावनगर में 'डायरिया रोको अभियान' शुरू किया। यह अभियान श्री द्वारा शुरू किया गया था। भरतभाई बराड, मेयर, भावनगर, श्री आरके मेहता (आईएएस), कलेक्टर और डीएम, भावनगर, श्री एन.वी. उपाध्याय (आईएएस), नगर आयुक्त, बीएमसी भावनगर, श्री। गुणवंत सिंह सोलंकी (आईएएस), जिला विकास अधिकारी, भावनगर, श्री। राजूभाई रबाडिया, अध्यक्ष, स्थायी समिति, बीएमसी भावनगर द्वारा किया गया.

अभियान पर टिप्पणी करते हुए, रवि भटनागर, निदेशक, विदेश मामले और भागीदारी, एसओए, रेकिट ने कहा, "कई राज्यों में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौत का प्रमुख कारण डायरिया है। रेकिट में, हम बच्चों, विशेष रूप से कमजोर सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि वाले बच्चों के समग्र कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें भारत सरकार के डायरिया रोको अभियान से जुड़ने पर गर्व है। इस अभियान के माध्यम से, हमारा लक्ष्य ओआरएस और जिंक के उपयोग के बारे में जागरूकता बढ़ाकर और दस्त को रोकने के लिए सक्रिय स्वास्थ्य उपायों को अपनाकर दस्त के कारण शून्य बाल मृत्यु हासिल करने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाना है। यह कदम हमारे देश के छोटे बच्चों के लिए एक स्वस्थ भविष्य बनाने के हमारे संकल्प को और बढ़ाएगा।

भावनगर के कलेक्टर और डीएम श्री आरके मेहता (आईएएस) ने कहा, "प्लान इंडिया द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का तकनीकी ज्ञान गांव की नई माताओं को दिया जाना चाहिए। माताओं को सशक्त होना चाहिए और हमें डायरिया के बारे में पारंपरिक गलत धारणाओं को दूर करने के लिए काम करना चाहिए। प्रत्येक मां को अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए हाथ धोने और घर को साफ रखने के महत्व को समझने की जरूरत है। मैं आज के कार्यक्रम के माध्यम से सभी से अपील करता हूं कि गांवों में डायरिया को लेकर जो उदासीनता है, उसे दूर करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।"

भावनगर सीडीएचओ डॉ. चंद्रमणि कुमार ने अभियान को प्रभावी बनाने और अगले दो महीनों में अधिकतम लोगों तक पहुंचने के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने सामुदायिक भागीदारी और सक्रिय उपायों पर जोर देते हुए डायरिया रोको अभियान के दौरान लागू की जाने वाली रणनीतियों को साझा किया। इस कार्यक्रम में 250 से अधिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और स्वयंसेवक शामिल हुए।

भारती एयरटेल फाउंडेशन ने 'भारती एयरटेल छात्रवृत्ति प्रोग्राम' लॉन्च किया

नई दिल्ली ।

भारती एंटरप्राइजेज की परोपकारी शाखा, भारती एयरटेल फाउंडेशन, अपने 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'भारती एयरटेल छात्रवृत्ति प्रोग्राम' लांच कर रही है। यह छात्रवृत्ति कार्यक्रम विद्यार्थियों की योग्यता और उनकी आर्थिक पृष्ठभूमि दोनों को ध्यान में रखते हुए, आईआईटी सहित 'राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क' (एनआईआरएफ) के मानकों के अनुसार शीर्ष स्तरीय रैंकिंग प्राप्त 50 (इंजीनियरिंग) कॉलेजों में, जैसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी शामिल हैं। प्रौद्योगिकी आधारित इंजीनियरिंग के स्नातक स्तरीय और एकीकृत कार्यक्रमों (5 वर्ष तक) में भागीदारी करने वाली लड़कियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विविध सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के योग्य विद्यार्थियों को सहायता प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। यह अगस्त 2024 में प्रवेश के लिए पात्र विद्यार्थियों पर लागू होगा। इस वर्ष 250 विद्यार्थियों को लाभान्वित करने के साथ से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम को, विद्यार्थियों के ऐसे प्रत्येक समूह में इसका सफल कार्यान्वयन होने पर भविष्य में इससे लाभान्वित होने वाले विद्यार्थियों की संख्या को धीरे-धीरे बढ़ाने का उद्देश्य रखते हुए डिज़ाइन किया गया है। कार्यक्रम के चरम पर पहुंचने पर प्रति वर्ष रू100+ करोड़ के परिव्यय के साथ इसके माध्यम से 4,000 विद्यार्थियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है।

पूरी तरह से वित्त पोषित छात्रवृत्ति की परिकल्पना ऐसी वित्तीय बाधाओं को दूर करने के लिए की गई है, जो मेधावी विद्यार्थियों, विशेष रूप से वंचित पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पाने में बाधा डालती हैं। यह छात्रवृत्ति उन विद्यार्थियों को प्रदान की जाएगी जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय रू8.5 लाख से अधिक नहीं होगी। भारती एयरटेल छात्रवृत्ति, एनआईआरएफ के मानकों के अनुसार शीर्षस्तरीय 50 (इंजीनियरिंग) कॉलेजों में इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार, दूरसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर विज्ञान, डेटा विज्ञान और उभरती प्रौद्योगिकियों (एआई, आईओटी, एआर/वीआर, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स) के क्षेत्र में स्नातक और एकीकृत पाठ्यक्रमों पर केंद्रित होगी।

आधुनिक, बोल्ड और मस्कुलरः स्कोडा ऑटो इंडिया ने बिल्कुल नई कॉम्पैक्ट एसयूवी की डिजाइन झलक साझा की है

मुंबई । स्कोडा ऑटो इंडिया का रथ विश्व स्तर पर अपनी 129वीं वर्षगांठ और भारत में 24वीं वर्षगांठ के करीब पहुंच रहा है। पूरे साल उपभोक्ता और उत्पाद कार्यक्रमों की मेजबानी करने और 2024 की शुरुआत से एक नई कॉम्पैक्ट एसयूवी की घोषणा के बाद, स्कोडा ऑटो इंडिया ने बिल्कुल नई कार की एक और झलक प्रदान की है।

डिज़ाइन टीज़र के रिलीज़ पर बोलते हुए, स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक, पेटार जनेबा ने कहा: "हमने अपनी बिल्कुल नई कॉम्पैक्ट एसयूवी की घोषणा के साथ 2024 की शुरुआत की। 2024 के मध्य तक, हम अच्छी राह पर हैं। हमारी कॉम्पैक्ट एसयूवी पूरे भारत में हमारी सड़कों पर कठोर परीक्षण से गुजर रही है और हम अपनी उत्पादन तैयारियों, उच्च क्षमताओं और गुणवत्ता वाले स्थानीय आपूर्तिकर्ता भागीदार रैंप-अप के साथ लगातार बारीकियां बढ़ा रहे हैं। नई कॉम्पैक्ट एसयूवी वास्तव में भारतीय सड़कों पर हमारी यूरोपीय तकनीक का लोकतंत्रीकरण करेगी। चूंकि यह एक बड़े कार प्लेटफॉर्म पर आधारित है, हमारी कॉम्पैक्ट एसयूवी में कॉम्पैक्ट फुटप्रिंट में 'बड़ी कार' का एहसास होगा और इस प्रकार भारत के लिए स्कोडा ऑटो के सबसे महत्वपूर्ण बाजार के रूप में हमारी ब्रांड प्रतिबद्धता के अनुरूप नए कार खरीदारों के लिए यह बहुत आकर्षक है। स्कोडा के लिए यूरोप। यूरोप के बाहर उत्पादित अधिकांश स्कोडा कारें हमारे स्थानीय कारखानों में निर्मित होती हैं और हम स्थानीय रूप से उत्पादित स्कोडा कारों को 14 देशों में निर्यात करते हैं।

डिज़ाइन

MQB-A0-IN प्लेटफॉर्म पर आधारित होने के कारण, जिसे कुश्का और स्लाविया जैसी बड़ी कारों के लिए विकसित किया गया है, स्कोडा की आगामी कॉम्पैक्ट एसयूवी 4-मीटर फुटप्रिंट को बरकरार रखते हुए बड़ी कार गतिशीलता, हैंडलिंग और रोड-मैनर्स का वादा करती है। डिज़ाइन स्कोडा ऑटो की आधुनिक ठोस डिज़ाइन भाषा के तत्वों का संकेत देता है। नई कॉम्पैक्ट एसयूवी भारत में आधुनिक ठोस डिजाइन भाषा का पहला कार्यान्वयन होगी। इसे स्पष्ट, छोटी रेखाओं द्वारा परिभाषित किया गया है जो स्कोडा कारों की सादगी, दृढ़ता और गुणवत्ता को दर्शाती हैं।

डिजाइन दृष्टिकोण

डिज़ाइन टीम ने कार को बेहतर रुख और सड़क पर उपस्थिति देने के उद्देश्य से इस बिल्कुल नई एसयूवी को फेंडर के चारों ओर एक बोल्ड और मस्कुलर आकार देने की कोशिश की है। असमान सड़क सतहों से निपटने और कार को एक एसयूवी चरित्र देने के लिए इस स्कोडा में उच्च ग्राउंड क्लीयरेंस और पहिये के चारों ओर जगह होगी। डिज़ाइन सामने की ओर विशिष्ट स्कोडा एसयूवी भाषा को बरकरार रखेगा और परिष्कृत और सटीक डीआरएल लाइट सिग्नेचर जैसे विवरण जोड़ देगा। आगामी एसयूवी में कार के किनारे और पीछे एक हेक्सागोनल पैटर्न भी होगा जो डिजाइन में और अधिक मूल्य जोड़ देगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)